दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

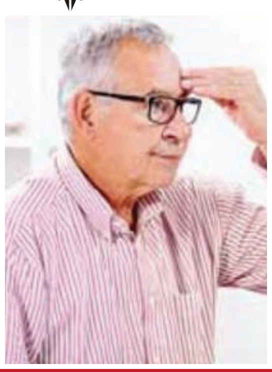
बुजुर्गों को होने वाला .....

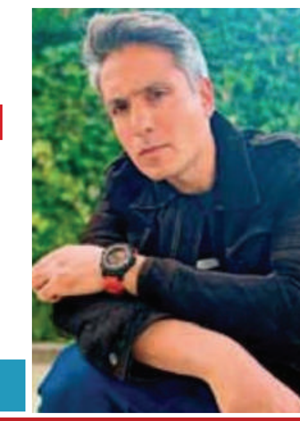
कितना भी बिजी क्यूं न रहूं....

वर्ष : 12 | अंक : 107 | लखनऊ, 10 अप्रैल, शुक्रवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

बुनकरों की आय, सम्मान और स्थायित्व सुनिश्चित करना प्राथमिकता : सीएम योगी आदित्यनाथ

क्लस्टर आधारित विकास से बुनकरों को बाजार, डिजाइन और तकनीक से जोड़ें

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुनकर केवल परंपरा के संवाहक नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था के सशक्त आधार हैं। ऐसे में उनकी आय, सम्मान और आजीविका की स्थिरता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बुनकरों के सामने कच्चे माल की बढ़ती लागत, डिजाइन और आधुनिक तकनीक का अभाव तथा सीमित बाजार पहुंच जैसी चुनौतियां हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल योजनागत सहायता से नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ एवं समन्वित तंत्र विकसित कर ही संभव है। मुख्यमंत्री ने इस दिशा में परिणामोन्मुख, क्लस्टर-आधारित नई कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। गुरुवार को हथकरघा विभाग की समीक्षा बैठक में अवगत कराया गया कि प्रदेश में लगभग 1.99 लाख बुनकर कार्यरत हैं और उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में देश में छठवें स्थान पर है। कालीन, दरी एवं मैट के उत्पादन में प्रदेश

अग्रणी है, जबकि बेडशीट, फर्निशिंग और ब्लैंकेट जैसे उत्पादों में भी राज्य की मजबूत उपस्थिति है। वर्ष 2024-25 में देश का कुल हथकरघा निर्यात 1178.93 करोड़ रुपये रहा, जिसमें उत्तर प्रदेश का योगदान 109.40 करोड़ रुपये (लगभग 9.27 प्रतिशत) रहा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बुनकर बहुल क्षेत्रों की पहचान कर वहां क्लस्टर विकसित किए जाएं, ताकि उत्पादन, गुणवत्ता और विपणन को एकीकृत किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये क्लस्टर केवल उत्पादन तक सीमित न रहकर पूर्ण वैल्यू चेन के रूप में विकसित हों, जहां डिजाइन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बाजार तक पहुंच एक ही ढांचे में सुनिश्चित हो। बैठक में क्लस्टर चयन, बेसलाइन सर्वे, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने, प्रभावी क्रियान्वयन तथा सतत अनुश्रवण जैसे पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक क्लस्टर में सीमित संख्या में बुनकरों को संगठित कर पंजीकृत इकाइयों के रूप में विकसित किया जाए, जिससे सामूहिक उत्पादन और विपणन को बढ़ावा मिले। साथ ही, इन क्लस्टरों को आधुनिक तकनीक, उन्नत उपकरणों और कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जाए, ताकि उत्पादों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार हो। डिजाइन और विपणन को सुदृढ़ बनाने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्पाद की सफलता बाजार की मांग के अनुरूप होने पर ही संभव है। उन्होंने डिजाइनर-कम- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव तथा डिजाइन हाउस/सोर्सिंग-बाइंग एजेंसी/एक्सपोर्ट हाउस जैसे संस्थागत तंत्र को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए। इससे उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार, बड़े बाजारों तक पहुंच और बुनकरों की आय में वृद्धि सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-कॉमर्स और ब्रांडिंग के विस्तार पर विशेष ध्यान देने को कहा, ताकि बुनकरों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ा जा सके। बैठक में मुख्यमंत्री ने पॉवरलूम बुनकरों के विद्युत बिल में कमी लाने के लिए बेहतर प्रयासों की जरूरत भी बताई। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस संबंध में हतकरघा विभाग और पॉवर कॉपोरेशन मिलकर कार्ययोजना तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने पर विशेष बल देते हुए कहा कि इससे बुनकरों की विद्युत लागत में कमी आएगी और उन्हें दीर्घकालिक राहत मिलेगी। उन्होंने इस दिशा में प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का बुनकर समुदाय राज्य की समृद्ध परंपरा, रोजगार और अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। अतः ऐसी संतुलित, पारदर्शी और व्यावहारिक नीति तैयार की जाए, जिससे बुनकरों को वास्तविक राहत मिले, उद्योग को नई गति मिले और प्रदेश की पारंपरिक बुनकरी को सशक्त आधार प्राप्त हो सके। बैठक में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान की उपस्थिति रही।

डिप्टी सीएम व कृषि मंत्री ने आपदा प्रभावित जनपदों का किया हवाई सर्वेक्षण

संवाददाता/ अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश में इस सप्ताह आई असामयिक वर्षा, तेज हवाओं और चक्रवात के कारण किसानों की फसलों को हुए भारी नुकसान का जायजा लेने के लिए राज्य सरकार ने त्वरित कदम उठाए हैं। इसी क्रम में प्रदेश के माननीय उप मुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक और माननीय कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने आपदा से सर्वाधिक प्रभावित विभिन्न जनपदों का सघन हवाई सर्वेक्षण किया। संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पूरी तरह से किसानों के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। माननीय उप मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री द्वारा बाराबंकी, अयोध्या, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, अमेठी, सुल्तानपुर, फतेहपुर, उन्नाव तथा लखनऊ जनपदों का हवाई सर्वेक्षण किया गया। इस दौरान स्पष्ट किया गया कि माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए कटिबद्ध है। फसल नुकसान की वास्तविक स्थिति का आकलन करने और किसानों को तत्काल राहत पहुंचाने के उद्देश्य से इन सभी जनपदों के जिला प्रशासन को विस्तृत सर्वेक्षण करने के सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। हवाई सर्वेक्षण के उपरांत आजमगढ़ तथा फतेहपुर जनपदों में स्थिति की जमीनी हकीकत परखने के लिए महत्वपूर्ण समीक्षा बैठकें भी आयोजित की गईं। इन बैठकों में संबंधित जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, उपनिदेशक कृषि और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान फसल सर्वेक्षण कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई और सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे पूरी तत्परता के साथ आपदा प्रभावित किसानों की फसलों का सर्वेक्षण कार्य शीघ्र अति शीघ्र पूर्ण कर शासन को अपनी विस्तृत आख्या प्रेषित करें, ताकि प्रभावित अन्नदाताओं को अविलंब राहत राशि उपलब्ध कराई जा सके।

खबर संक्षेप

कंपनी में यौन उत्पीड़न प्रमुख समेत 6 अरेस्ट

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में एक मल्टी-नेशनल कंपनी में

महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद टीम लीडर सहित 6लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उत्पीड़न पिछले चार वर्षों से लगातार जारी था। यौन उत्पीड़न और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के 9 मामले दर्ज किए हैं।

ट्रैफिक नियमों का पालन करें और सेंस अपनाएं

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि अब समय आ गया है कि देश के

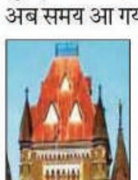

लोग सिविक सेंस अपनाएं और ट्रैफिक नियमों का पालन करें। भारतीयों को विकसित देशों से सीख लेनी चाहिए कि सड़क पर कैसे चलना चाहिए और गाड़ी कैसे चलानी चाहिए? यह टिप्पणी जस्टिस जितेंद्र जैन ने की।

मंगोलपुरी में महिला की लाश, प्रेमी समेत 3 अरेस्ट

मंगोलपुरी। बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में एक 35 वर्षीय

महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। महिला की हत्या उसके 22 वर्षीय प्रेमी ने चाचा और एक दोस्त के साथ मिलकर की। वारदात का खुलासा तब हुआ जब पीजी मालिक ने कमरे के भीतर बेड बॉक्स से एक पैर बाहर निकला हुआ देखा। केस में 3 गिरफ्तार हैं।

सुनेत्रा पवार की निर्विरोध जीत तय

बारामती। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पार्टी के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश

चेन्निथला ने कहा कि उनकी पार्टी बारामती विधानसभा सीट से उपचुनाव नहीं लड़ेगी, जहां से उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार अपने पति अजित पवार के मृत्यु के बाद चुनाव मैदान में हैं। चेन्निथला ने कहा कांग्रेस की राज्य इकाई को अपनी उम्मीदवारी वापस लेने का निर्देश दिया है।

बंगाल की जनता को प्रधानमंत्री मोदी ने दी 6 गारंटी और सत्तारूढ़ टीएमसी पर साधा निशाना

हर दुष्कर्म मामले की खुलेगी फाइल, अब टीएमसी के पापों का घड़ा भर गया, उसकी निर्मम सरकार को जाना ही होगा

कर्मचारियों के लिए 7 वें वेतनआयोग का भरोसा दिया

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/ नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में 3 रैलियों को संबोधित किया। पीएम मोदी हल्दिया में जनसभा के दौरान कहा कि बंगाल का ये चुनाव सामान्य नहीं है। ये बंगाल के वैभव को फिर से स्थापित करने का चुनाव है। ये विकसित बंगाल की नींव मजबूत करने का चुनाव है और इसका पहला व सबसे बड़ा कदम निर्मम सरकार की विदाई का होगा। पीएम मोदी ने स्वतंत्रता सेनानी सतीश चंद्र सामंता को याद करते हुए राज्य की जनता को 6 गारंटी दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गुलामी के कालखंड में सतीश चंद्र सामंता ने अंग्रेजों की सत्ता हिला दी थी। आज इसी धरती से मैं बंगाल को 6 गारंटियां देता हूं। पहली गारंटी- भाजपा सरकार बंगाल में भय की जगह भरोसा कायम करेगी और कानून पर भरोसा लौटाएगी। दूसरी गारंटी- भाजपा सरकार में सरकारी सिस्टम जनता की सेवा के लिए जवाबदेह होगा। तीसरी गारंटी- हर घोटाले, बेटियों के साथ हुए हर अन्याय और हर रेप केस की फाइल खुलेगी। उन्होंने अपनी चौथी गारंटी में कहा कि टीएमसी के राज में भी जिसने भी करप्शन किया है, उसकी जगह जेल में होगी। मंत्री हो या संतरी, कानून सबका हिसाब करेगा। टीएमसी का कोई गुंडा कानून से बचने वाला नहीं है। हम टीएमसी को जनता का पैसा नहीं खाने देंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में 3 रैलियों को संबोधित किया। पीएम मोदी हल्दिया में जनसभा के दौरान कहा कि बंगाल का ये चुनाव सामान्य नहीं है। ये बंगाल के वैभव को फिर से स्थापित करने का चुनाव है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल में की 3 रैलियां

अपराधियों के दुष्कर्मों का हिसाब किया जाएगा

जो राष्ट्रपति का सम्मान नहीं करते वे अन्य महिलाओं का क्या आदर करेंगे

बंगाल में रैली में आम जनता का अभिवादन करते प्रधानमंत्री मोदी

परिवर्तन की आंधी दिखी

रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बंगाल ने इस बार हर विपरीत परिस्थिति को पराजित करने का फैसला कर लिया है। भाजपा की विजय, इस उत्साह और उमंग में दिखाई पड़ती है। ये परिवर्तन की आंधी है। ये टीएमसी की निर्मम सरकार के जाने का ऐलान है।

शरणार्थियों को उचित हक मिलेगा

बंगाल की जनता को 5वीं गारंटी देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जो शरणार्थी हैं, उन्हें संविधान के तहत हर हक मिलेगा, लेकिन घुसपैठियों को खदेड़ा जाएगा। उन्हें भारत में नहीं रहने दिया जाएगा। अपनी छठी गारंटी में उन्होंने कहा कि बंगाल के सभी सरकारी कर्मचारियों और सभी शिक्षकों व अन्य सेवाओं में जुटे कर्मचारियों के लिए भाजपा सरकार बनते ही 7वां वेतन आयोग लागू कराया जाएगा। जनता से अपील करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इन्हीं गारंटियों को ध्यान में रखते हुए 23 अप्रैल को भारी मतदान करना है। हर बूथ पर भाजपा के उम्मीदवारों को विजयी बनाएं। हमारा सिद्धांत और मंत्र है 'सबका साथ-सबका विकास'।

दिखा महिलाओं का जोर

पश्चिम बंगाल में चाहिए बदलाव

प्रधानमंत्री मोदी आज तीन चुनावी रैलियों के लिए पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री बीरभूम के सूरी में भी जनसभा की। जनसभा में महिलाएं बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंची। महिलाओं के हाथों में प्रधानमंत्री की तस्वीर और कई स्लोगन लिखे हुए पोस्टर हैं। एक युवती प्रधानमंत्री और उनकी मां की तस्वीर लेकर पहुंची। युवती ने बातचीत में बताया कि प्रधानमंत्री को उनकी मां प्यारी हैं, इसलिए उनकी तस्वीर लेकर आई हूं। बंगाल में विकास हो, इसलिए बदलाव जरूरी है।

अब टीएमसी होगी बाहर

बंगाल को ब्लू इकोनॉमी बनाएगी

पीएम ने संबोधन के दौरान टीएमसी और सीएम ममता पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने कहा कि खराब मौसम के बावजूद हल्दिया रैली में लोगों की भारी उपस्थिति बंगाल में बदलाव का संकेत है, जो बताता है कि टीएमसी सत्ता से बाहर हो जाएगी। जो 5 साल पहले नंदीग्राम में हुआ था, वही इस साल भाबानीपुर और पूरे बंगाल में दोहराया जाएगा। भाजपा सरकार बनने पर केंद्र की सभी योजनाएं यहां तेजी से लागू होंगी। इसे ब्यू इकोनॉमी का केंद्र बनाएंगे।

आसनसोल में गरजे प्रधानमंत्री

यहां भाजपा की सरकार बनाएं टीएमसी के पापों का हिसाब होगा

पीएम मोदी ने आसनसोल में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत देवी कल्यानेश्वरी और घाघर बुरी चंडी का आह्वान करके की। बंगाल में अब सत्ता परिवर्तन निश्चित है, जिसे आसनसोल और पूरे बंगाल की जनता चाहती है। उन्होंने टीएमसी पर सिंडिकेट राज, कोयला और रेत माफिया को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। पीएम मोदी ने दावा किया कि टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका है और बदलाव के बाद बंगाल नई ऊंचाइयों को छुएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि केवल भाजपा की डबल इंजन सरकार ही इस स्थिति को सुधार सकती है।

टीएमसी राज में मां-माटी और मानुष परेशान

आसनसोल में टीएमसी के 'पापों' का हिसाब लेने की चेतावनी दी। बीरभूम की रैली में भी उन्होंने टीएमसी पर बड़ा हमला बोला। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि बीरभूम की ऐतिहासिक धरती ने संथाल क्रांति को ऊर्जा दी थी। पूरे बंगाल में लोग टीएमसी राज में मां-माटी और मानुष परेशान हैं।

घुसपैठियों के हर मददगार की पहचान की जाएगी, बाहर करेंगे

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की जमीन पर घुसपैठियों का कब्जा खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी का सिंडिकेट घुसपैठियों को फर्जी सरकारी दस्तावेज दिलाने में मदद कर रहा है। उनके मुताबिक यह सिर्फ राज्य नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है। उन्हें बाहर किया जाएगा।

बिहार में 14 या 15 अप्रैल से होगा भाजपा का मुख्यमंत्री

गांधी मैदान में तैयारियां शुरू, जेडीयू ने लगाई मुहर

दिल्ली पहुंचे सीएम नीतीश, आज लेंगे राज्यसभा सांसद पद की शपथ

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

बिहार में सत्तारूढ़ एनडीए सरकार का मुखिया बदलने की प्रक्रिया गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दिल्ली पहुंचने के साथ तेज हो गई है। नीतीश शुक्रवार को पहली बार राज्यसभा सांसद की शपथ लेंगे। शुक्रवार को ही भाजपा के कोर ग्रुप की दिल्ली में बैठक है। इसमें भाजपा के सीएम के नाम पर सहमति बनाई जा सकती है। पटना में 14 या 15 अप्रैल को भाजपा के सीएम के नेतृत्व में एनडीए की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए गांधी मैदान खाली रखने कह दिया गया है। लंबे इंतजार के बाद भाजपा के लिए ऐतिहासिक घड़ी आई है। जेडीयू के कद्दावर नेता और सीनियर मंत्री विजय कुमार चौधरी ने पार्टी की तरफ से इस पर मुहर लगा दी है।

संसदीय बोर्ड करेगा नाम की घोषणा

भाजपा बिहार में सरकार की कमान किसके हाथ में देती है, इसका फैसला भाजपा संसदीय बोर्ड करेगा, जिसमें पार्टी के अध्यक्ष नितिन नबीन के अलावा नरेंद्र मोदी और अमित शाह भी बैठेंगे। विधायक दल के नेता का औपचारिक चुनाव कराने पार्टी में किसके नाम की पर्ची निकलती है, इस पर भी सबकी नजर है।

अब तक 5 संकेतों से सम्राट ही दिख रहे चौधरी

मुख्यमंत्री पद के लिए जिनके नाम दौड़ रहे हैं, उनमें सम्राट चौधरी या नित्यानंद राय को देवेंद्र फडणवीस या हिमंता बिस्वा सरमा वाले मॉडल में भविष्य दिख रहा होगा। मोहन यादव, विष्णुदेव साय, नायब सैनी, मोहन चरण मांझी और रेखा गुप्ता की तरह संकेत हैं।

नए सीएम पर कोई मतभेद नहीं, सब तय : नबीन

बिहार के नए मुख्यमंत्री के नाम पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने काफी कुछ साफ कर दिया है। उन्होंने कहा है कि बिहार के नए सीएम को लेकर एनडीए में कोई मतभेद नहीं है। भाजपा अध्यक्ष नितिन ने कहा कि बैठक में सब कुछ तय कर लिया जाएगा।

युद्धविराम पर थरूर ने कहा

'शांति' के लिए पाकिस्तान की भूमिका का जश्न मनाना चाहिए

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच में पाकिस्तान इस समय

मध्यस्थ की भूमिका में है। इस शांति समझौते के प्रयास पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि भारत को पाकिस्तान की मध्यस्थता का जश्न मनाना चाहिए, जिसकी वजह से अमेरिकी-ईरान सीजफायर हुआ। इतना ही नहीं उन्होंने भारत की प्रतिक्रिया को परिपक्व और समझदारीपूर्ण बताया। एक इंटरव्यू में शशि थरूर से सवाल किया गया कि क्या सीजफायर में मध्यस्थता करने में इस्लामाबाद की भूमिका से नई दिल्ली को चिंतित होना चाहिए। थरूर ने जवाब देते हुए कहा कि मुझे नहीं लगता कि ऐसा क्यों होना चाहिए, क्योंकि सच कहूं तो, हर चीज एक के लिए फायदेमंद और दूसरे के लिए नुकसान वाली साबित नहीं होती। अगर पाकिस्तान को भारत में आतंकवादी भेजने के लिए सराहा जा रहा होता, तो यह चिंता की बात होती। पाक शांति के लिए काम कर रहा है।

भारत की संस्कृति सदैव संपूर्ण विश्व के कल्याण, शांति और मानवता की भावना से रही है ओत-प्रोत- केशव प्रसाद मौर्य

विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर वैश्विक शांति एवं एकता का संदेश

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज जन भवन (राजभवन), लखनऊ में आयोजित विश्व नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया तथा इस अवसर उन्होंने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट की और राज्यपाल की गरिमामयी उपस्थिति मे उप मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की संस्कृति सदैव संपूर्ण विश्व के कल्याण, शांति और मानवता की भावना से ओत-प्रोत रही है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जब तनाव और अस्थिरता का वातावरण है, ऐसे समय में जैन धर्म का नवकार महामंत्र विश्व को शांति, सकारात्मक ऊर्जा एवं आध्यात्मिक संतुलन प्रदान करने का सामर्थ्य रखता है। उन्होंने कहा कि विश्व नवकार महामंत्र दिवस केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि वैश्विक एकता, आध्यात्मिक जागृति और मानव कल्याण का व्यापक अभियान है। यह अत्यंत गौरव का विषय है कि इस अवसर पर 108 देशों के लाखों लोग एक साथ जुड़कर विश्व शांति और समरसता के लिए नवकार महामंत्र का जाप कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने जैन समाज द्वारा किए जा रहे सेवा, गौसंरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा, समर्पण और करुणा की भावना ही भारत की वास्तविक शक्ति है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर है। सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना तथा समावेशी विकास सुनिश्चित करना है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत केवल आर्थिक प्रगति ही नहीं, बल्कि शांति, धैर्य और सांस्कृतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ रहा है, जिससे उसे वैश्विक स्तर पर एक विशिष्ट पहचान प्राप्त हो रही है। उन्होंने समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को विश्व नवकार महामंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नवकार महामंत्र आध्यात्मिक जागृति, अहिंसा और आस्था का मूल आधार है, जो मानव चेतना को ऊर्जावान बनाते हुए शांति एवं आत्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने आह्वान किया कि इस पावन अवसर पर सभी नागरिक इसके संदेशों को आत्मसात करते हुए अपने जीवन में सत्य, अहिंसा और करुणा को अपनाने का संकल्प लें। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना की गरमामयी उपस्थिति रही, कार्यक्रम मे डॉ. वीरेंद्र जायसवाल सहित अनेक गणमान्य जनप्रतिनिधि, जैन समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के आध्यात्मिक आयोजन विश्व शांति, सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रीय एकता को और अधिक सशक्त बनाते हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को पहुंचेंगे लखनऊ

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। लखनऊ से सांसद केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को तीन दिवसीय दौरे पर लखनऊ पहुंचेंगे, रक्षामंत्री 11, 12, 13 अप्रैल को अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के दौरे पर रहेंगे । महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार 11 अप्रैल अपराह्न 03:20 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे। एयरपोर्ट से 5-ए कालिदास मार्ग जाएंगे ।

सायं 4.30 बजे गोमतीनगर स्थित विवेक खंड दो, टंकी वाला पार्क में 'गोमतीनगर जन कल्याण महासमिति वार्षिकोत्सव' कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

सायं 5.45 बजे कैंट स्थित सूर्या ऑडिटोरियम में 'वार हीरोस एंड वीर नारिश' अभिनंदन कार्यक्रम सम्मिलित होगे।

सायं 6.35 बजे ' स्मृतिका वार मेमोरियल एंड लाइट, साउंड शो', कार्यक्रम सम्मिलित होने के उपरांत शाम 7.15 बजे कालिदास मार्ग आवास जाएंगे।

अगले दिन रविवार 12 अप्रैल को सायं 5 बजे गोमती नगर स्थित पूरब मंडल-एक, सेट एमआर जयपुरिया स्कूल गोमतीनगर में 'वरिष्ठ जन संवाद' कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

सायं 6 बजे इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में श्री लाल जी टंडन फाउंडेशन द्वारा पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम उपरांत कालिदास मार्ग आवास जाएंगे।

फिर सोमवार 13 अप्रैल को सुबह 9.30 बजे के.डी.सिंह बाबू स्टेडियम में 'सांसद खेल महाकुंभ' का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम के उपरांत पूर्वाह्न 10:35 पर एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे और 11:00 बजे लखनऊ एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

जिम से बाहर निकलते ही किशोर पर हमला, दो पर मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। माल विकासखंड कार्यालय के पास स्थित एक जिम से कसरत कर बाहर निकले किशोर पर पहले से घात लगाए बैठे दो युवकों ने हमला कर दिया। मारपीट में किशोर के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने पीड़ित के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कस्बा निवासी दुर्गेश पांडेय के अनुसार उनका 16 वर्षीय पुत्र करन पांडेय माल तिराहे के पास विकासखंड कार्यालय के बगल में स्थित एक इमारत की दूसरी मंजिल पर बने जिम में नियमित रूप से व्यायाम करने जाता है। बुधवार शाम करीब सात बजे वह रोज की तरह जिम गया था। आरोप है कि व्यायाम कर बाहर निकलते ही पहले से घात लगाए बैठे कस्बा निवासी यश सिंह और सक्षम सिंह ने उसे घेर लिया। दोनों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों और लात-घूंसों से करन की जमकर पिटाई कर दी, जिससे उसके सिर में चोटें आईं। घटना के बाद घायल किशोर को उपचार के लिए ले जाया गया। वहीं, सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने दुर्गेश पांडेय की तहरीर पर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने खंड विकास अधिकारी को किया निलंबित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ ।जनपद बदायुं के विकास खण्ड इस्लामनगर विकास खण्ड के खण्ड विकास अधिकारी मुनब्बर खाँ को, अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन मे बरती गयी शिथिलता व लापरवाही के लिए प्रथम दृष्टया दोषी पाये जाने पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा निलम्बित कर दिया गया है, तथा इनके विरूद्ध उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक नियमावली के अन्तर्गत विभागीय अनुशासनिक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

वरूण विहार व नैमिष नगर योजना होगी लांच

आगरा एक्सप्रेस-वे पर योजना के लिए एलडीए ने 1300 किसानों से खरीदी है भूमि

अमन लेखनी समाचार

कैलाश-काशी खण्ड में 2100 भूखण्ड के लिए खुलेंगे पंजीकरण

लखनऊ । एलडीए की वरूण विहार योजना जून में लांच होगी। प्रथम चरण में कैलाश खण्ड एवं काशी खण्ड के लगभग 2100 भूखण्डों के लिए पंजीकरण खोला जाएगा। जिसके लिए 1300 किसानों से 330 हेक्टेयर से अधिक भूमि खरीदी जा चुकी है। मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में गुरुवार को एलडीए के पारिजात सभागार में हुयी समीक्षा बैठक में प्राधिकरण की आवासीय योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। बैठक में एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार, सचिव विवेक श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राकेश कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी व अभियंता उपस्थित रहे।

इस दौरान मण्डलायुक्त ने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि उक्त आवासीय योजनाएं मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के अंतर्गत स्वीकृत हैं। इसे ध्यान में रखते हुए भूमि के दाखिल खारिज आदि की कार्यवाही शीर्ष प्राथमिकता पर सुनिश्चित करायी जाए। जिससे कि आम लोगों को जल्द से जल्द बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध करायी जा सकें।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि आगरा एक्सप्रेस-वे पर 2270 हेक्टेयर क्षेत्रफल में वरूण विहार योजना विकसित की जाएगी। जिसके लिए सदर व सरोजनीनगर तहसील के ग्राम-भलिया, आदमपुर इन्दवारा, बहरू, जलियामऊ एवं मदारपुर, इब्राहिमगंज, नकटौरा, गहलवारा, तेजकृष्ण खेड़ा, रेवरी, सकरा एवं दोना की भूमि किसानों से सहमति के आधार पर खरीदी जा रही है। अभी तक 853 हेक्टेयर भूमि के सहमति पत्र प्राप्त हो चुके हैं। जिसमें से 1300 किसानों को 1160 करोड़ रुपये भुगतान करके 330 हेक्टेयर से अधिक भूमि खरीदी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि जून में योजना लांच कर दी जाएगी। प्रथम चरण में कैलाश खण्ड और काशी खण्ड में लगभग 2100 भूखण्डों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण खोला जाएगा। इसी तरह नैमिष नगर योजना की लांचिंग सितंबर में प्रस्तावित है। बैठक में भूमि मुद्रीकरण के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुयी। इसमें 1090 चौराहा, ऐशबाग, हरिहरपुर एवं जानकीपुरम योजना के पास अतरौली में स्थित नगर निगम के स्वामित्व वाली भूमि के मुद्रीकरण का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। एलडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि उक्त भूमि प्राइम लोकेशन पर हैं और आवासीय एवं अन्य नागरिक सुविधाओं के लिए काफी उपयोगी होंगी। इस पर मण्डलायुक्त ने नगर निगम के अधिकारियों को प्रस्ताव का परीक्षण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सक्षम स्तर से सहमति प्राप्त करके प्रस्ताव को जनहित में आगे बढ़ाया जा सकता है।

निजी टाउनशिप में सार्वजनिक सुविधाओं का ऑडिट : शहर में निजी विकासकताओं द्वारा विकसित की जा रही टाउनशिप में सार्वजनिक सुविधाओं का थर्ड पार्टी ऑडिट होगा। जिससे कि यह सुनिश्चित कराया जा सके कि विकासकर्ताओं ने मौके पर स्वीकृत डीपीआर के अनुसार एसटीपी, पार्क, विद्युत उपकेन्द्र आदि का विकास कार्य कराये हैं या नहीं।

मण्डलायुक्त ने निर्देश दिये कि दिल्ली, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्ट को इसके लिए अधिकृत करते हुए थर्ड पार्टी ऑडिट की कार्रवाई करायी जाए।

आवंटियों के लिए लगेगा विशेष रजिस्ट्री कैम्प

मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत ने प्राधिकरण की अनिबंधित सम्पत्तियों की भी समीक्षा की। बहुमंजिला आवासीय योजनाओं की समीक्षा में पाया गया कि कुल 19,230 फ्लैट्स निर्मित हैं। इनमें से 18,953 फ्लैट्स आवंटित हैं, जिनमें से 2,930 फ्लैट्स की रजिस्ट्री अभी नहीं हुयी है। इसी तरह विभिन्न योजनाओं में आवासीय एवं व्यावसायिक भूखण्डों की रजिस्ट्री भी लंबित है। इस पर मण्डलायुक्त ने आवंटियों की सुविधा के दृष्टिगत विशेष कैम्प लगाकर रजिस्ट्री कराने के निर्देश दिये। समीक्षा में पाया गया कि वजीर हसन रोड पर कई वर्ष पूर्व निर्मित बहुमंजिला अपार्टमेंट जर्जर अवस्था में है, जिसके फ्लैट्स रिक्त हैं। मण्डलायुक्त ने उक्त अपार्टमेंट का री-डेवलपमेंट कराने के निर्देश दिये।

गोमती नगर विस्तार में अवैध मैरिज लॉन पर चला बुलडोजर

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने गुरुवार को गोमती नगर विस्तार में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध मैरिज लॉन पर बुलडोजर चलाया। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर यह कार्रवाई अर्जन एवं प्रवर्तन विभाग की संयुक्त टीम ने की। एलडीए के सचिव विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि जल निगम की ओर से एसटीपी के निर्माण के लिए गोमती नगर विस्तार में भूमि मांगी गयी थी। जिसके लिए भूमि चिन्हांकन की कार्रवाई की जा रही थी। इसमें पाया गया कि गोमती नगर विस्तार के सेक्टर-1 में ग्वारी पुल के नीचे सीएमएस की ओर जाने वाली सड़क पर प्राधिकरण की लगभग 4000 वर्गमीटर अर्जित भूमि पर वीके सिंह व अन्य की ओर से अवैध रूप से कब्जा करके मैरिज लॉन संचालित किया जा रहा है। इस पर उपाध्यक्ष ने मौके पर अभियान चलाकर भूमि को कब्जा मुक्त कराने के निर्देश दिये गये थे। प्रभारी अधिकारी-अर्जन विपिन कुमार शिवहरे ने बताया कि गुरुवार को अर्जन व प्रवर्तन विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर अभियान चलाया।

यूकेलिप्टस के पेड़ से विद्युत केबल के सहारे लटका मिला युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में यूकेलिप्टस के पेड़ से विद्युत केबल के सहारे लटका मिलने से हड़कम्प मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मवई पड़ियाना गांव के पश्चिम तरफ ग्रामीणों ने गांव निवासी राम प्रकाश के ट्यूबवेल के पास पेड़ से युवक का शव लटका देख डायल 112 पर सूचना दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने जांच के दौरान मृतक की पहचान उसकी जेब में मिले आधार कार्ड से माल थाना क्षेत्र के रामनगर निवासी निर्मल कुमार रावत (32) के रूप में की। जांच में पता चला कि मृतक की ससुराल घटनास्थल से करीब चार किलोमीटर दूर अमावा गांव में है। पुलिस ने ससुराल वालों को बुलाकर इस बारे में पूछताछ की तो पता चला कि निर्मल सोमवार को ससुराल आया था और बुधवार सुबह करीब पांच बजे बिना बताए बाइक से निकल गया, जबकि मोबाइल फोन ससुराल में ही छोड़ गया था। वहीं घटनास्थल से करीब 500 मीटर दूर मृतक की बाइक और चप्पल भी बरामद हुई है। निर्मल मजदूरी करता था और उसके परिवार में पत्नी सलोनी व तीन बेटियां हैं।बंथरा प्रभारी निरीक्षक राणा राजेश सिंह ने बताया कि शुरूआती जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है। उन्होंने बताया कि मृतक शराब का आदी था और संभवतः नशे की हालत में उसने यह कदम उठाया है। हालाकि आत्महत्या के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

चिल्लावां गांव जाने वाले मुख्य मार्ग के सामने कानपुर रोड पर बने कट को ट्रैफिक पुलिस ने किया बंद

अमन लेखनी समाचार

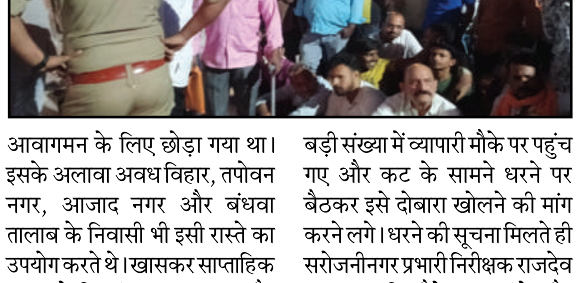

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर क्षेत्र में चिल्लावां गांव जाने वाले मुख्य मार्ग के सामने कानपुर रोड पर बने कट को गुरुवार को ट्रैफिक पुलिस ने बंद करा दिया। एसीपी ट्रैफिक राधा रमन सिंह की मौजूदगी में शाम करीब पांच बजे जेसीबी मशीन से बड़े-बड़े पत्थर रखकर कट को पूरी तरह बंद कर दिया गया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने विरोध जताया, लेकिन एसीपी ट्रैफिक ने समझाते हुए बताया कि इस कट की वजह से आए दिन भीषण जाम की स्थिति बन जाती थी, जिससे कानपुर रोड का यातायात बुरी तरह प्रभावित होता था। जाम की समस्या को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। बताया जाता है कि डिवाइडर में बना यह कट मुख्य रूप से चिल्लावां गांव के लोगों के पैदल आवागमन के लिए छोड़ा गया था। इसके अलावा अवध विहार, तपोवन नगर, आजाद नगर और बंधवा तालाब के निवासी भी इसी रास्ते का उपयोग करते थे। खासकर साप्ताहिक बाजार के दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को यहां भारी भीड़ रहती थी, जिससे जाम की समस्या और गंभीर हो जाती थी। कट बंद होने की जानकारी मिलते ही स्थानीय व्यापारी आक्रोशित हो उठे। सूचना पाकर उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में व्यापारी मौके पर पहुंच गए और कट के सामने धरने पर बैठकर इसे दोबारा खोलने की मांग करने लगे। धरने की सूचना मिलते ही सरोजनीनगर प्रभारी निरीक्षक राजदेव राम प्रजापति मौके पर पहुंचे और व्यापारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन व्यापारी अपनी मांग पर अड़े रहे। उनका कहना है कि कट बंद होने से आम लोगों के आवागमन में दिक्कत होगी और बाजार में ग्राहकों की संख्या घटने से व्यापार प्रभावित होगा।व्यापारियों को उग्र देख बाद में इसकी सूचना एसीपी कृष्णा नगर को दी गई। सूचना पाकर पहुंचे एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा और एसीपी ट्रैफिक राधा रमन सिंह ने व्यापारियों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माने। उनका कहना था कि अगर कट बंद किया जा रहा है तो यहां के स्थानीय लोगों को सड़क पार करने के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। इसके बाद एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने एसडीएम सरोजनी नगर और एनएचएआई अधिकारियों से बात की। जिसके बाद निर्णय लिया गया कि शुक्रवार को सरोजनी नगर एसडीएम, एनएचएआई अधिकारी, एसीपी कृष्णा नगर और एसीपी ट्रैफिक के अलावा व्यापारी नेताओं के साथ सरोजनी नगर थाने पर बैठक कर इस मामले में वार्ता की जाएगी।इसके बाद व्यापारी शांत हुए और धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

मलिहाबाद में बंदरों का आतंक जारी, काटने से कई घायल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। ग्रामीण इलाकों में इन दिनों जंगली बंदरों का खौफ इस कदर बढ़ गया है कि लोग अपने ही घरों में सहमे हुए हैं। मलिहाबाद के केवलहार, घोला और दुलारमऊ गांव सबसे ज्यादा प्रभावित बताए जा रहे हैं, जहां बंदरों के झुंड ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। ग्रामीणों के अनुसार, करीब सौ के आसपास बंदरों का समूह लगातार रिहायशी इलाकों में सक्रिय है। ये बंदर सुबह होते ही छतों, दुकानों और फलों के ठेलों पर टूट पड़ते हैं और खाने-पीने की चीजें उठा ले जाते हैं। इतना ही नहीं, पानी की टंकियों, डिश एंटीना और अन्य घरेलू सामान को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब ये बंदर विरोध करने पर लोगों पर हमला कर देते हैं। घोला गांव के राधे समेत कई ग्रामीण बंदरों के हमले में घायल हो चुके हैं, जिससे इलाके में दहशत और बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव चारों ओर से बागों और जंगलों से घिरा है, जिसका फायदा उठाकर बंदर आसानी से यहां पहुंच जाते हैं और उत्पात मचाते हैं। कई बार शिकायत के बावजूद अभी तक न तो वन विभाग और न ही नगर पंचायत की ओर से कोई ठोस कार्रवाई की गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बंदरों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर नहीं छोड़ा गया, तो कोई बड़ी घटना हो सकती है। लोगों ने जिला प्रशासन और वन विभाग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है, ताकि इलाके में फिर से सामान्य स्थिति बहाल हो सके।

बारिश में बिजली तारों पर टहनियां गिरने से फाल्ट, 20 घंटे गुल रही सप्लाई

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र के गनियार के पास बुधवार शाम हुई बारिश के दौरान बिजली के तारों पर टहनियां गिरने से फाल्ट हो गया, जिससे इलाके की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। यह समस्या करीब 20 घंटे बाद जाकर दुरुस्त हो सकी, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के बाद कई फीडर दो-तीन घंटे तक बंद रहे। इसी दौरान धनुवासांड फीडर की लाइन भी ब्रेकडाउन हो गई। बताया गया कि बिजली कर्मचारियों ने डेहवा के पास से आगे की लाइन खोलकर छोड़ दी, लेकिन दिनभर मरम्मत कार्य नहीं किया गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कर्मचारी मेमौरा लाइन का फाल्ट ठीक करने की बात कहते रहे, लेकिन मौके पर नहीं पहुंचे। इससे नाराज ग्रामीणों ने सोशल मीडिया पर मैसेज वायरल कर अपना आक्रोश जताया। बिजली आपूर्ति बाधित होने से गनियार, जंगलीखेड़ा, मरुई और भौंदरी समेत कई गांव अंधेरे में डूबे रहे। गनियार निवासी सुरेश सिंह ने बताया कि दिनभर इंतजार के बावजूद कर्मचारी गांव नहीं पहुंचे, जिससे लोगों को रात भी बिना बिजली के गुजारनी पड़ी। आखिरकार करीब 20 घंटे बाद आपूर्ति बहाल हो सकी।

आलमबाग और कैसरबाग से कम किराए वाली बसें चलेंगी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सफर में यात्रियों की मांग पर 20 फीसदी सस्ती और किफायती जनता बस सेवाओं का विस्तार शुरू कर दिया गया है। इससे ग्रामीण इलाकों में यात्रियों को राहत मिलेगी। 29 मार्गों पर चल रहीं जनता बसों का विस्तार होना है। पहले चरण में दस रूटों पर कार्य शुरू कर दिया गया है।रोडवेज प्रशासन ने ग्रामीण क्षेत्र की जनता के लिए बस सेवाओं को विस्तार करने का निर्णय लिया है। सामान्य बसों के किराये से 20 फीसदी कम किराये वाली 37 बसें 29 रूटों चल रही हैं। इन बस सेवाओं की समीक्षा की गई तो पता चला कि यात्री लोड फैक्टर और आय संतोषजनक नहीं है। क्षेत्रीय प्रबंधक अमरनाथ सहाय ने बताया कि पहले चरण में आलमबाग से छह रूट और कैसरबाग से चार रूटों पर बसों का विस्तार कर दिया है।लखनऊ से इन मार्गों तक बस सेवा को विस्तार मिला-आलमबाग से मोहनलालगंज-गोसाईगंज-जगदीशपुर-आलमबाग से असरेंदा-लउवा-महराजगंज-आलमबाग से बाराबंकी-बीबीपुर-हैदरगढ़-आलमबाग से गंगागंज-नगराम-जगदीशपुर-आलमबाग से निगोहां-सेहगों-जगदीशपुर-आलमबाग बस अड्डे से किशनी-कैसरबाग से महिगवां-महमूदाबाद-कैसरबाग से बाबागंज-महमूदाबाद-कैसरबाग से पुरवां-भगवंतपुर-कैसरबाग से बड़वलबाजार-जगदीशपुर

व्हाट्सएप मैसेज से शादी में खलल, अज्ञात नंबरों से मिल रही धमकियां

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र में एक शादी को लेकर अज्ञात मोबाइल नंबरों से आए व्हाट्सएप मैसेज ने दोनों परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मोहनलालगंज कस्बे के एक युवक की शादी 26 अप्रैल को एटा निवासी युवती से तय है। शादी की तैयारियां चल रही थीं, तभी 5 अप्रैल की रात करीब 9 बजे दूल्हे के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप मैसेज आया। मैसेज भेजने वाला युवक पर शादी तोड़ने का दबाव बना रहा है और दावा कर रहा है कि शादी होने पर लड़की आत्महत्या कर लेगी। इस घटना के बाद लड़के ने उक्त नंबर की जानकारी लड़की पक्ष को दी। जांच करने पर सामने आया कि एक अन्य अज्ञात नंबर से 19 अक्टूबर 2025 को लड़की के पिता को कॉल कर दूल्हे के बारे में भ्रामक और आपत्तिजनक बातें कही गई थीं। दोनों ही नंबरों की जानकारी किसी भी पक्ष को नहीं है। घटना से दोनों परिवारों में दहशत का माहौल है। मामले में मोहनलालगंज पुलिस ने दूल्हे की तहरीर पर अज्ञात मोबाइल नंबरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इंस्पेक्टर ब्रजेश त्रिपाठी ने बताया कि जिन नंबरों से मैसेज और कॉल किए जा रहे हैं, उन्हें सर्विलांस पर लगाया गया है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

आवास दिलाने के नाम पर 29 ग्रामीणों से लाखों की ठगी, जांच की मांग

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। निगोहां थाना क्षेत्र के लालता खेड़ा गांव में आवास दिलाने के नाम पर बड़े पैमाने पर ठगी का मामला सामने आया है। यहां एक महिला और उसके पति पर 29 ग्रामीणों से लाखों रुपये वसूलने का आरोप लगा है। पीड़ितों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अपनी रकम वापस दिलाने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार, आरोपित दंपत्ति ने खुद को चेयरमैन प्रतिनिधि का करीबी बताते हुए लोगों को सरकारी आवास दिलाने का भरोसा दिया। इस झांसे में आकर ग्रामीणों ने चार हजार से लेकर 85 हजार रुपये तक की रकम दे दी, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी किसी को आवास नहीं मिला। पीड़ितों का कहना है कि जब उन्होंने अपना पैसा वापस मांगा तो आरोपित उन्हें धमकाने लगे। इससे गांव में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। वहीं, मोहनलालगंज के चेयरमैन प्रतिनिधि सत्यम पांडेय ने खुद को इस पूरे मामले से अलग बताते हुए कहा कि उनकी छवि को गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

संक्षेप

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

उन्नाव। थाना असोहा क्षेत्र की चौकी कालूखेड़ा के अंतर्गत सोहो गांव निवासी भवरेश (32) पुत्र रामाधार कश्यप ने गांव से बाहर खेतो में चिल्वल के पेड़ में गमछे की मदद से फांसी लगा दी जान।म्रतक भवरेश सुबह साढ़े आठ बजे घर से मछली मारने कह कर घर से निकला था ,काफी देर जब घर नही आया तो म्रतक की पत्नी रेखा उसको खोजने खेतो की तरफ गई तो गांव से बाहर खेतो में उसको लटका देख उसके होश उड़ गई , पत्नी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा ,थाना प्रभारी फूल सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही की जाएगी ,अभी तक परिजनों ने किसी के खिलाफ प्रार्थना पत्र नही दिया । ग्रामीणों की माने तो बीती रात ओर सुबह कुछ परिजनों से कहासुनी हुई थी । म्रतक की पूर्व में रायबरेली जिले के सिकन्दर खेडा में शादी हुई थी ,जिसमे विवाद हो गया था और पहली पत्नी से मामला न्यायायलय में चल रहा था, दूसरी शादी दो वर्ष पूर्व लखनऊ जिले के भिलवल गांव में हुई थी म्रतक के अभी कोई पुत्र या पुत्री नही थी, म्रतक के भाई सन्तोष व मा रंजना देवी का रो रो बुरा हाल है ।

दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत, एक घायल

सफीपुर, उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के भारतखेड़ा गांव में कुल्हा अटौरा-कुरसठ संपर्क मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। इस हादसे में सड़क किनारे खड़े एक अधेड़ व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है।अटौरा गांव निवासी 51 वर्षीय कमलेश पुत्र कोइली गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे अपने परिजनों के साथ लखनऊ जा रहे थे। वे कुल्हा अटौरा से कुरसठ संपर्क मार्ग पर स्थित भारतखेड़ा गांव में सड़क किनारे खड़े थेतभी दो बाइकों की टक्कर से कमलेश बाइकों की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों की मदद से एंबुलेंस द्वारा घायल कमलेश को मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर पंकज वर्मा ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के बाद एक बाइक सवार अपनी बाइक मौके पर छोड़कर फरार हो गया। वहीं, दूसरा बाइक सवार अपनी बाइक सहित घटनास्थल से भाग निकला। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो युवक धोखाधड़ी के हुए शिकार हजारों रुपए खाते से निकल गए

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मानपुर निवासी आशीष पुत्र राजकुमार ने थाने में तहरीर देकर कहा कि धोखाधड़ी करते हुए यूपीआई के माध्यम से 35000 रुपए ट्रांसफर किसी ने कर लिया है मैं बहुत गरीब व्यक्ति हूं दूसरी घटना ग्राम सिकंदरपुर कर्ण निवासी अनूप तिवारी पुत्र राकेश तिवारी ने भी थाने में तहरीर देकर कहां की हानी कॉरपोरेशन का माल मंगवाने के लिए फेसबुक के माध्यम से मुझे विश्वास में लेकर बात किया उसके बाद बारकोड भेज कर मुझे बारकोड पर आठ बार में कुल 48380 रुपए ले लिए फिर मेरे द्वारा दिए गए नंबरों पर अपने माल के लिए फोन किया किंतु उसके द्वारा फोन बंद कर दिया गया जो आज तक बंद है प्रार्थी के साथ धोखाधड़ी हुई है दोनों तहरीरों के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में पंजीकृत करते हुए जांच पड़ताल प्रारंभ कर दिय

लूटपाट करने वाले गिरोह का पुलिस ने किया खुलासा चार आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। थाना दही पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक ऐसे गिरोह का पदार्फाश किया है, जो कार में सवारी बैठाकर लूटपाट करता था। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से अवैध तमंचा, जिंदा कारतूस, चाकू, मोबाइल फोन, कार और लूटा गया सामान बरामद किया गया है।

एसएसपी जयप्रकाश सिंह और एएसपी अखिलेश सिंह ने पुलिस लाइन सभागार में इस खुलासे की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अपराधों पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत स्वाट टीम, सर्विलांस टीम और थाना दही पुलिस को सूचना मिली थी। यह सूचना थी कि कुछ युवक कार में लोगों को सवारी बनाकर बैठाते हैं और सुनसान जगहों पर ले जाकर उनके साथ लूटपाट करते हैं।इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने गुरुवार को निमार्णाधीन गंगा एक्सप्रेसवे पुल के पास चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान एक संदिग्ध कार को रोका गया, जिसमें चार युवक सवार थे। पूछताछ में उनकी पहचान रोहन उर्फ अक्षत वर्मा (गांधीनगर, शुक्लागंज), यश शुक्ला (शुभाष नगर, शुक्लागंज), यश तिवारी (कृष्णानगर, शुक्लागंज) और आदित्य गुप्ता उर्फ यश गुप्ता (सुभाष नगर, शुक्लागंज) के रूप में हुई।तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से एक अवैध 315 बोर का तमंचा, दो जिंदा कारतूस, दो चाकू, चार मोबाइल फोन, वारदात में इस्तेमाल की गई कार और लूटा गया सामान बरामद किया।पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह का मुख्य आरोपी रोहन उर्फ अक्षत वर्मा कार चालक था। वह कानपुर से लखनऊ जाने वाली सवारियों को अपनी कार में बैठाता था। रास्ते में पहले से मौजूद उसके साथी यात्रियों को हथियार दिखाकर डराते, मारपीट करते और उनसे नकदी व अन्य सामान लूट लेते थे। इसके बाद वे पीड़ितों के मोबाइल से ऑनलाइन पैसे भी ट्रांसफर कर लेते थे।गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ विभिन्न थानों में पहले से भी आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बरामदगी के आधार पर थाना दही में आर्म्स एक्ट सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायालय भेज दिया गया है। इसकार्रवाई में थाना दही पुलिस टीम के साथ एसओजी और सर्विलांस टीम के कई पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

आईपीएस बने गौरव प्रताप सिंह के गांव पहुंचते ही किया गया भव्य स्वागत

अमन लेखनी समाचार

पाटन, उन्नाव। कहते हैं काबिलियत एक न एक दिन अपना रंग जरूर दिखाती है ऐसा ही एक गौरवपूर्ण क्षण सुमेरपुर ब्लॉक के सरॉय मनिहार गांव में देखने को मिला, जब गांव के होनहार युवा गौरव प्रताप सिंह ने यूपीएससी सीएसई 2025 में पूरे देश में 317वीं रैंक हासिल कर जनपद सहित क्षेत्र का नाम रोशन किया। पहली बार गांव पहुंचने पर शिक्षकों और ग्रामीणों ने उनका ऐतिहासिक स्वागत कर प्रेरणादायक मिसाल पेश की। बीते 6 मार्च 2026 को घोषित परिणाम के बाद पहली बार अपने पैतृक गांव पहुंचे गौरव प्रताप सिंह का स्वागत किसी नायक की तरह किया गया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सुमेरपुर के ब्लॉक अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह, देश दीपक पाण्डेय तथा प्रधान संघ अध्यक्ष आशीष कुमार सिंह उर्फ प्रिंसू सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों शिक्षकों और ग्रामीणों ने माल्यार्पण, बुके और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका भव्य स्वागत किया। करीब एक दर्जन से अधिक चार पहिया वाहनों के काफिले के साथ शिक्षक संघ के पदाधिकारी और सदस्य गौरव के घर पहुंचे। इस दौरान पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा। हर कोई इस होनहार बेटे की सफलता पर गर्व करता नजर आया। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष विनोद सिंह ने गौरव प्रताप सिंह की सफलता को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। गौरव ने भी अपने संबोधन में युवाओं को निरंतर प्रयास और धैर्य बनाए रखने की सलाह दी। आईपीएस गौरव प्रताप सिंह, सरॉय मनिहार गांव निवासी उदय प्रताप सिंह के पुत्र हैं। उनके चाचा तेजभान सिंह भी शिक्षक हैं, जिनका मार्गदर्शन गौरव की सफलता में महत्वपूर्ण रहा। उनके पिता उदयभान सिंह महाराष्ट्र के गोंदिया में रेलवे में सीनियर सेक्शन इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं, जबकि माता अनीता सिंह गृहिणी हैं। गौरव की प्रारंभिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालय, बालाघाट (मध्य प्रदेश) से हुई। इसके बाद उन्होंने आईआईटी पटना से बीटेक की डिग्री प्राप्त की। खास बात यह है कि उन्होंने अधिकांश तैयारी घर पर रहकर और ऑनलाइन माध्यम से की तथा तीसरे प्रयास में यह उल्लेखनीय सफलता हासिल की।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर एक की मौत दूसरा घायल

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। थाना क्षेत्र के अन्तर्गत काली मिट्टी शिवराज पुर मार्ग पर गुरुवार शाम कस्बा स्थित डाक बंगला के निकट एक ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी जिसमें बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई जबकि एक घायल हो गया। घायल को सी एच सी भेजा गया और सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। क्षेत्र के गांव महापरा पुर निवासी जय लखन अपने भाई राम लखन के साथ फतेहपुर चौरासी कस्बे से काली मिट्टी की तरफ जा रहा था अभी डाक बंगला के निकट पहुंचा ही था कि सामने काली मिट्टी की तरफ से अनियंत्रित गति से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे लगभग बीस वर्षीय जय लखन की घटना स्थल पर मौत हो गई जबकि राम लखन घायल हो गया। जिसे सी एच सी इलाज के लिए भेज दिया गया। घटना की सूचना गांव पहुंचते ही हड़कंप मच गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही शुरू की है।

फैक्ट्री मजदूर ने फांसी लगाकर की आत्म हत्या

अमन लेखनी समाचार

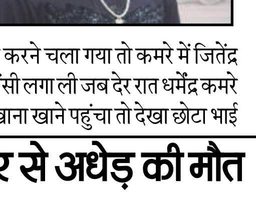

उन्नाव। दही थाना क्षेत्र औद्योगिक एरिया में भारत प्लाई फैक्ट्री में बुधवार देर रात श्रमिक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बिहार प्रांत के लोधीपुर अडरिया निवासी 26 वर्षीय जितेंद्र कुमार अपने बड़े भाई धर्मेंद्र के साथ करीब दो वर्षो से फैक्ट्री में ही रहकर काम कर रहा था। बुधवार को धर्मेंद्र जब नाइट शिफ्ट में काम करने चला गया तो कमरे में जितेंद्र ने फांसी लगा ली जब देर रात धर्मेंद्र कमरे पर खाना खाने पहुंचा तो देखा छोटा भाई जितेंद्र फांसी पर लटक रहा है। वह तुरंत उसे फांसी के फंदे से उतार कर जिला अस्पताल ले गया जहा डाक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है म्रतक की सादी अभी नहीं हुई थी घटना से आहत मां अनीता देवी भाई धर्मेंद्र महेंद्र सहित परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

बाइक की टक्कर से अधेड़ की मौत

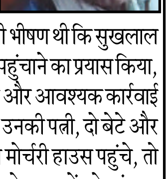

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक सड़क हादसे में 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मदार नगर निवासी सुखलाल पुत्र स्वर्गीय धनी राम को एक तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी जान चली गई। सुखलाल गांव में किराने की दुकान चलाते थे और बुधवार देर रात दुकान बंद कर पैदल अपने घर लौट रहे थे। गांव के रास्ते में एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सुखलाल गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े।आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत उन्हें उठाया और अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक सुखलाल के परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटे और दो बेटियां हैं, जिनका इस घटना के बाद से बुरा हाल है।गुरुवार सुबह जब परिजन जिला अस्पताल स्थित मोर्चरी हाउस पहुंचे, तो वहां का माहौल गमगीन हो गया। परिजनों ने शव देखकर विलाप किया। ग्रामीणों और रिश्तेदारों ने परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी। ग्रामीणों के अनुसार, सुखलाल मेहनती और मिलनसार व्यक्ति थे, और उनकी अचानक मृत्यु से पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के संबंध में जांच की जा रही है। बाइक चालक की पहचान कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम के आदेश पर चला बुलडोजर, करोड़ों की जमीन कब्जा मुक्त

अमन लेखनी समाचार

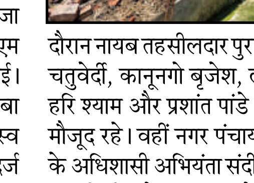

पुरवा, उन्नाव। नगर पंचायत क्षेत्र में प्रशासन ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों की सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया। यह कार्रवाई एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव के निर्देश पर की गई। मामला गाटा संख्या 174/4, रकबा 0.063 हेक्टेयर का है, जो राजस्व अभिलेखों में उसर भूमि के रूप में दर्ज है।बताया जा रहा है कि कटरा के पास स्थित इस जमीन पर बाबूलाल पुत्र निवासी राजा बाजार, पुरवा द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण कर लिया गया था। प्रशासन को सूचना मिलने के बाद जांच कराई गई, जिसमें अतिक्रमण की पुष्टि हुई। इसके बाद तय योजना के तहत बुलडोजर चलाकर अवैध निर्माण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार पुरवा नीरज चतुर्वेदी, कानूनगो बृजेश, लेखपाल हरि श्याम और प्रशांत पांडे मौके पर मौजूद रहे। वहीं नगर पंचायत पुरवा के अधिशासी अभियंता संदीप कुमार अपनी टीम के साथ पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर सब इंस्पेक्टर सियाराम चौरसिया मय पुलिस बल के साथ तैनात रहे। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस अभियान के जरिए प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अस्थाई ट्रेनों का स्टेशन पर होगा ठहराव यात्रियों को मिलेगी सुविधा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। यात्रियों की सुविधा और रेल सेवाओं की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रेलवे प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत, कई प्रमुख ट्रेनों को मध्यवर्ती स्टेशनों पर अतिरिक्त अस्थायी ठहराव प्रदान किया जाएगा। यह व्यवस्था एक निर्धारित अवधि के लिए लागू रहेगी, जिससे दैनिक यात्रियों और स्थानीय लोगों को विशेष राहत मिलने की उम्मीद है रेलवे द्वारा जारी सूचना के अनुसार, गाड़ी संख्या 14123 मुरादाबाद-कानपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस को हरौनी स्टेशन पर सुबह 08:19 से 08:20 बजे तक, अजगैन स्टेशन पर 08:33 से 08:34 बजे तक और कानपुर ब्रिज बायां किनारा स्टेशन पर 09:12 से 09:13 बजे तक एक मिनट का अतिरिक्त अस्थायी ठहराव मिलेगा। इससे इन स्टेशनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को इंटरसिटी ट्रेन की सीधी सुविधा उपलब्ध होगी। इसी क्रम में, गाड़ी संख्या 14124 कानपुर-मुरादाबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस को वापसी दिशा में भी ठहराव दिया जाएगा। यह ट्रेन कानपुर ब्रिज बायां किनारा स्टेशन पर 17:39 से 17:40 बजे तक, अजगैन स्टेशन पर 18:10 से 18:11 बजे तक और हरौनी स्टेशन पर 18:24 से 18:25 बजे तक एक मिनट के लिए रुकेगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय स्थानीय यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।इसके अतिरिक्त, गाड़ी संख्या 12419 लखनऊ-नई दिल्ली गोमती एक्सप्रेस को भी कानपुर ब्रिज बायां किनारा स्टेशन पर सुबह 07:21 से 07:22 बजे तक एक मिनट का अतिरिक्त अस्थायी ठहराव प्रदान किया गया है। गोमती एक्सप्रेस के इस ठहराव से राजधानी और आसपास के क्षेत्रों की यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी रेलवे प्रशासन के अनुसार, यह सभी अतिरिक्त ठहराव आज से प्रभावी होकर 13 मई 2026 तक लागू रहेंगे। इस अवधि के दौरान, प्रत्येक ट्रेन कुल 35 ट्रिप संचालित करेगी।अधिकारियों ने यह भी बताया कि यात्रियों की संख्या और मांग के आधार पर भविष्य में इस व्यवस्था की समीक्षा की जा सकती है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे इस नई सुविधा का अधिकतम लाभ उठाएं और यात्रा से पूर्व ट्रेन के समय की जानकारी अवश्य प्राप्त करें। स्थानीय यात्रियों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। जिससे आवागमन अधिक सुगम और सुविधाजनक होगा।

बारिश और ओलावृष्टि से किसानों का हुआ भारी नुकसान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सफीपुर और हसनगंज तहसील क्षेत्रों में बुधवार रात तेज हवा के साथ हुई बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की फसलों को भारी क्षति पहुंची है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण कई गांवों में विद्युत आपूर्ति भी बाधित हो गई।मियागंज विकास खंड के मियागंज, कुरसठ, बारी थाना, कादिरपुर, कुल्हा अटौरा, बीरू गढ़ी, मुशीराबाद, मुरव्वतपुर, मुजफ्फरपुर सर्रा, खानपुर पीर अली, पेसारी और खैरनपुर गवासा जैसे गांवों में फसलों को नुकसान हुआ। कादिरपुर निवासी किसान शकील अहमद ने बताया कि उनके एक बीघा आम के बाग में लगभग 60 प्रतिशत अमियां गिर गईं और शेष भी क्षतिग्रस्त हो गईं। इसी तरह, कादिरपुर निवासी बेचेलाल और राम सिंह की पांच-पांच बीघा गेहूं की फसलें ओलावृष्टि से खराब हो गईं।

खैरनपुर गवासा के प्रेम सिंह, हरि सिंह, दिनेश सिंह, सूरज पाल, राजेश सिंह, राजू सिंह और खानपुर पीर अली के राम बरन, रामबाबू सहित सैकड़ों किसानों की टमाटर और गेहूं की फसलें भी प्रभावित हुई हैं। तूफानी बारिश के कारण बुधवार रात में ही कई स्थानों पर विद्युत लाइनों पर पेड़ गिर गए, जिससे बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। कादिरपुर से हैदराबाद संपर्क मार्ग पर खैरनपुर गवासा गांव के पास एक शीशम का पेड़ मुख्य मार्ग पर गिर गया, जिससे यातायात बाधित हो गया। ग्रामीणों ने निजी संसाधनों से पेड़ को काटकर दोपहर करीब दो बजे मार्ग को साफ किया, जिसके बाद आवागमन बहाल हो सका।

संतोषी माता मंदिर में वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर के मोहल्ला खत्रियाना स्थित संतोषी माता मंदिर में वार्षिकोत्सव श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाकर माता संतोषी का भव्य दरबार सजाया गया। जहां दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। वैदिक मंत्रोच्चार, हवन-पूजन, महाआरती, कन्या भोज, प्रसाद वितरण तथा सायंकालीन भजन-कीर्तन ने समूचे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।प्रातःकाल मंदिर में विधि-विधान से हवन-पूजन का शुभारंभ हुआ। श्रद्धालुओं ने माता रानी के चरणों में नारियल, चुनरी, पुष्प और प्रसाद अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि व मंगल की कामना की। इसके उपरांत महाआरती का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर माता के जयकारों से मंदिर परिसर को गुंजायमान कर दिया।वार्षिकोत्सव के अवसर पर कन्या भोज का आयोजन विशेष श्रद्धा के साथ किया गया। कन्याओं का पूजन कर उन्हें आदरपूर्वक भोजन कराया गया तथा प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर के सेवादार सक्षम शुक्ला ने श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण कर सेवा-भाव का परिचय दिया। सायंकाल भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। जिसमें भक्तगण माता के भजनों पर भावविभोर होकर झूम उठे। मधुर भक्ति गीतों और जयकारों से समूचा मोहल्ला आध्यात्मिक आस्था में डूबा नजर आया।

वृद्ध ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला की समाप्त

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में एक 70 वर्षीय बुजुर्ग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बिंदानगर इलाके में रहने वाले छबि नाथ पुत्र स्वर्गीय चोधीलाल ने गुरुवार सुबह नीम के पेड़ से फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और परिजनों में मातम छा गया। छबि नाथ वर्ष 2009 से अपने दामाद प्रमोद कुमार राजपूत, निवासी ठाकुर खेड़ा, के यहां रह रहे थे। परिजनों के अनुसार, लगभग तीन महीने पहले उन्हें लकवा का दौरा पड़ा था, जिसके बाद से उनका इलाज कानपुर नगर में चल रहा था। बीमारी के कारण वे शारीरिक रूप से कमजोर हो गए थे और लंबे समय से मानसिक रूप से भी परेशान थे।गुरुवार सुबह जब घर के सदस्य अपने-अपने काम में व्यस्त थे, तभी छबि नाथ घर से बाहर निकले। उन्होंने पास ही स्थित एक नीम के पेड़ पर रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। कुछ देर बाद जब परिजनों की नजर उन पर पड़ी, तो उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों और पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही गंगाघाट कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर अपने कब्जे में लिया और पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में यह मामला बीमारी से परेशान होकर की गई आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर गौर करते हुए जांच कर रही है। घटना के बाद से परिवार में गहरा शोक है। स्थानीय लोगों ने बताया कि छबि नाथ शांत स्वभाव के व्यक्ति थे, लेकिन बीमारी के कारण वे काफी परेशान रहने लगे थे। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिया के चौड़ीकरण का काम शुरू जाम से मिलेगी राहत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। बिलग्राम-उन्नाव मार्ग पर दोस्तीनगर पुलिया के चौड़ीकरण का काम शुरू हो गया है। इसके लिए शारदा नहर में पाइप डालकर एक वैकल्पिक मार्ग बनाया जा रहा है। इस पुलिया के चौड़ा होने से क्षेत्र में लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी।हरदोई-उन्नाव-प्रयागराज मार्ग पर किमी 82 पर शारदा नहर उन्नाव ब्रांच पर दोस्तीनगर गांव के पास यह पुलिया स्थित है। यह पुलिया काफी संकरी है, जबकि इस मार्ग से प्रतिदिन छोटे-बड़े लगभग दस हजार से अधिक वाहन गुजरते हैं। इस कारण यहां अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे लोगों को घंटों जूझना पड़ता है। कई बार मरीज ले जा रही एम्बुलेंस भी जाम में फंस चुकी हैं। इन समस्याओं को देखते हुए लोक निर्माण विभाग ने पुलिया के चौड़ीकरण का प्रस्ताव शासन को भेजा था, जिसे मंजूरी मिल गई। 21 मार्च को सांसद और सदर विधायक पंकज गुप्ता ने इस पुलिया का शिलान्यास किया था। सोमवार को लोक निर्माण विभाग ने पुलिया निर्माण के लिए वैकल्पिक रास्ता बनाने का काम शुरू कर दिया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला युवक का शव

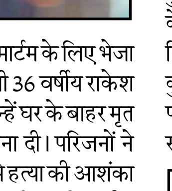

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। गंगाघाट थाना क्षेत्र स्थित झब्बूपुरवा गांव में गुरुवार सुबह एक व्यक्ति का शव उसके घर के बाहर नल के पास मिला। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू कर दी।मृतक की पहचान झब्बूपुरवा निवासी 36 वर्षीय राकेश पुत्र जगदीश के रूप में हुई है। गुरुवार सुबह जब परिजनों ने उन्हें घर के बाहर मृत अवस्था में देखा, तो उन्होंने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। परिजनों ने राकेश के सिर पर चोट के निशान होने की बात कही है, जिससे हत्या की आशंका और बढ़ गई है।सूचना मिलने पर जाजमऊ चौकी इंचार्ज विनोद सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। राकेश खेती-किसानी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी नीतू, एक बेटा नितिन और एक बेटी पायल हैं।ग्रामीणों के अनुसार, राकेश का किसी से कोई बड़ा विवाद सामने नहीं आया था, जिससे इस घटना को लेकर विभिन्न तरह की चचाएं हो रही हैं। राकेश चार भाइयों में से एक थे, उनके अन्य भाइयों के नाम मुकेश, उमाशंकर और करन हैं। घटना की जानकारी मिलते ही रिश्तेदार और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर घटना की सच्चाई जानने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले को संदिग्ध मानते हुए जांच में जुटी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

घरेलू विवाद को लेकर महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। थाना अजगैन क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर में गुरुवार दोपहर एक महिला ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्राम सलेमपुर निवासी गीता देवी (36) पत्नी दिलीप कुमार रावत ने अपने कमरे में साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। घटना के समय परिजन घर पर ही मौजूद थे। सूचना मिलने पर थाना अजगैन पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने मृतका के पति दिलीप कुमार पुत्र छेदीलाल रावत की सूचना पर शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल भेज दिया। कोतवाली निरीक्षक सुरेश सिंह ने बताया कि आत्महत्या के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। वहीं ग्रामीणों के अनुसार, घटना के पीछे घरेलू विवाद बताया जा रहा है। गुरुवार सुबह महिला के मोबाइल पर किसी से बातचीत को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हुई थी, जिसके बाद महिला ने यह कदम उठा लिया। मृतका का पति मजदूरी करता है। दंपति के दो बेटियां और एक बेटा हैं तथा उनकी शादी करीब 17 वर्ष पूर्व हुई थी। घटना के समय मृतका के मायके पक्ष के लोग भी मौके पर मौजूद रहे। मायके पक्ष की ओर से ससुराल पक्ष के खिलाफ कोई तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ब्लॉक स्तर से खोजी जाएंगी क्रिकेट खिलाड़ियों की प्रतिभाएं

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा ग्रामीण क्षेत्रों के क्रिकेट खिलाड़ियों की प्रतिभाओं को ग्रामीण क्षेत्र से निकाल कर उन्हें मुख्य क्रिकेट की धारा में जोड़ कर , तहसील, जनपद, प्रदेश व देश की टीम की चयन प्रक्रिया के शामिल करने के उद्देश्य से पुरवा तहसील से ब्लॉक स्तर की टीमों का गठन करके खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने का कार्य किया जाएगा। ईस मिशन की शुरूआत असोहा क्षेत्र के क्रिकेट खिलाड़ियों की खोज से होगी। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन उन्नाव के संयुक्त सचिव राजेश कुमार ने कालूखेड़ा में आयोजित एक प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि असोहा विकास खंड के खिलाड़ियों के पंजीकरण 18 अप्रैल को कुटीवीर बाबा प्रांगण में 3 बजे से 6 बजे तक होंगे। असोहा विकास खंड के अंतर्गत निवास करने वाले 16 साल से लेकर 22 साल की उम्र तक के खिलाडी अपना पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकृत खिलाड़ियों की एक टीम बनाई जाएगी जिनके मैचेस पुरवा व हिलौली ब्लॉक की टीमों से होंगें। अधिक जानकारी खिलाड़ी मोबाइल नंबर 6388571081, 8765432343 पर संपर्क करके प्राप्त कर सकते हैं। राजेश चौधरी ने बताया कि उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की डेवलपमेंट कमेटी के चेयरमैन अरविंद श्रीवास्तव के आदेशानुसार ये टीमों का गठन किया जाएगा। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन उन्नाव सचिव पी0के0 मिश्रा के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों को निखारा जाएगा।

सम्पादकीय

रिश्तों को भी प्रभावित कर रही डिजिटल दुनिया

भारत में डिजिटल क्रांति ने जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित किया है, लेकिन अब इसका असर सबसे संवेदनशील क्षेत्र रिश्तों पर भी साफ दिखाई देने लगा है। ग्लीडेन और एमोर जैसे विवाहेतर डेटिंग प्लेटफॉर्म्स पर 40 लाख से अधिक भारतीयों की मौजूदगी केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते सामाजिक ताने-बाने का संकेत है। सवाल यह है कि क्या यह बदलाव आधुनिकता की पहचान है या रिश्तों के संकट की आहट? इन प्लेटफॉर्म पर महिलाओं और पुरुषों दोनों की ही बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि अकेलेपन और अलगाव होने के बाद साथी की जरूरत ही लिव इन या ऐसे डेटिंग एप्स पर लोगों को आने का मजबूर करती है। भारतीय समाज में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों का जुड़ाव माना जाता रहा है, लेकिन अब इस परंपरा को डिजिटल दुनिया नई दिशा दे रही है। महानगरों बेंगलुरु, हैदराबाद, दिल्ली, मुंबई और पुणे में इन एप्स की बढ़ती लोकप्रियता यह दिखाती है कि तेज रफ्तार जीवनशैली और बढ़ते तनाव ने रिश्तों में दरारें पैदा की हैं। अब लोग भावनात्मक संतुष्टि और रोमांच की तलाश डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर कर रहे हैं। इस प्रवृत्ति के पीछे कई परतें हैं। सबसे प्रमुख कारण है भावनात्मक अकेलापन। व्यस्त दिनचर्या, करियर का दबाव और आपसी संवाद की कमी ने दांपत्य संबंधों को कमजोर किया है। जब घर में समझ और जुड़ाव नहीं मिलता, तो लोग बाहर विकल्प तलाशते हैं। एक रिसर्च के अनुसार, यही हाल रहा तो भारत 2027 में अमेरिका के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा डेटिंग सर्विस मार्केट बन जाएगा। चिंताजनक बात यह है कि इस ट्रेंड में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं की संख्या में 148 प्रतिशत तक की वृद्धि यह दर्शाती है कि अब वे भी अपने निजी जीवन में अधिक स्वतंत्र निर्णय ले रही हैं। यह बदलाव एक ओर महिला सशक्तिकरण का संकेत माना जा सकता है, लेकिन दूसरी ओर यह पारिवारिक स्थिरता के लिए चुनौती भी बन रहा है। सिर्फ युवा ही नहीं, 40 वर्ष से अधिक आयु के लोग भी तेजी से इन प्लेटफॉर्म्स की ओर बढ़ रहे हैं। यह संकेत है कि विवाह के वर्षों बाद भी लोग भावनात्मक खालीपन महसूस कर रहे हैं। समाजशास्त्रियों के अनुसार, यह केवल 'अफेयर' का मामला नहीं, बल्कि रिश्तों की बदलती परिभाषा का संकेत है। हालांकि, इस बदलाव के खतरनाक पहलुओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि हुई है, और कई मामलों में रिश्तों में अविश्वास और धोखा भी एक कारण बन रहा है। इसके अलावा, डेटिंग प्लेटफॉर्म्स पर पहचान छिपाने की सुविधा अपराधियों के लिए भी अवसर बन सकती है। ऐसे में डिजिटल रिश्तों का यह जाल सामाजिक सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा कर रहा है। देश में पिछले कुछ समय से शादी, डेटिंग या लिव-इन जैसे अंतरंग रिश्तों में हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की सितंबर 2025 में जारी रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में महिलाओं के खिलाफ 4.48 लाख अपराध दर्ज हुए, जो 10 साल में सबसे ज्यादा हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में यूपी, महाराष्ट्र, प. बंगाल और राजस्थान सबसे आगे हैं। एक सर्वे के मुताबिक करीब 59% शादियां पार्टनर की बेवफाई की वजह से ही टूट रही हैं। रिश्तों में विश्वास की कमी समाज में अस्थिरता को जन्म दे सकती है। इसका समाधान रिश्तों से बाहर नहीं, बल्कि रिश्तों के भीतर खोजने की जरूरत है। संवाद, समझ और समय ये तीन तत्व किसी भी संबंध को मजबूत बना सकते हैं।

स्वास्थ्य दिवस आज

महेन्द्र तिवारी

बदलते परिवेश में स्वास्थ्य चुनौतियां

विश्व स्वास्थ्य दिवस प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को मनाया जाता है, जो न केवल स्वास्थ्य के प्रति चेतना जगाने का कार्य करता है, बल्कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयासों को भी प्रेरित करता है। इस विशेष दिन की नींव 7 अप्रैल 1948 को विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना के साथ रखी गई थी, और इसे आधिकारिक रूप से पहली बार 1950 में मनाया गया। वर्ष 2026 में, जब दुनिया तकनीकी और वैज्ञानिक प्रगति के एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है, विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट। विज्ञान के साथ खड़े रहें' निर्धारित की गई है। यह थीम एक अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ पर हमारे सामने आई है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी सूचनाओं, मिथकों और वैज्ञानिक तथ्यों के बीच एक निरंतर संघर्ष देखा गया है। यह विषय हमें इस बात के लिए प्रोत्साहित करता है कि हम अपने जीवन और स्वास्थ्य के प्रति निर्णय लेते समय भावनाओं या अफवाहों के बजाय साक्ष्य-आधारित विज्ञान को आधार बनाएं। 2026 का यह अभियान इसी वैज्ञानिक दृष्टिकोण को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने की एक सशक्त पुकार है। इतिहास देखें तो वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग की यात्रा 19वीं शताब्दी के मध्य में शुरू हुई थी। वर्ष 1851 में पेरिस में आयोजित पहला अंतरराष्ट्रीय स्वच्छता सम्मेलन इस दिशा में पहला बड़ा कदम था, जिसका उद्देश्य हैजा जैसी संक्रामक बीमारियों के प्रसार को रोकना था। इसके बाद 1902 में पैन-अमेरिकन सैनिटरी ब्यूरो और 1907 में ऑफिस इंटरनेशनल डी'हाइजीन पब्लिक जैसे संगठनों ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सहयोग की नींव को और मजबूत किया। द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका के बाद जब संयुक्त राष्ट्र का गठन हुआ, तब यह महसूस किया गया कि एक ऐसी वैश्विक संस्था की आवश्यकता है जो बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के पूरी मानवता के स्वास्थ्य की रक्षा कर सके। परिणामस्वरूप, 1946 में न्यूयॉर्क में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सम्मेलन में विश्व स्वास्थ्य संगठन के संविधान पर 61 देशों ने हस्ताक्षर किए और अंततः 7 अप्रैल 1948 को यह संगठन अस्तित्व में आया। वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन के 194 सदस्य देश हैं, जो दुनिया भर में 'स्वास्थ्य सबके लिए' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की सबसे बड़ी सफलता 1980 में चेचक का वैश्विक उन्मूलन रही है, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि यदि दुनिया विज्ञान के साथ एकजुट होकर खड़ी हो, तो किसी भी असाध्य बीमारी को जड़ से मिटाया जा सकता है। इसके अलावा, पोलियो के मामलों में 99 प्रतिशत से अधिक की कमी, एचआईवी/एड्स के उपचार में प्रगति और हाल के वर्षों में मलेरिया के पहले टीके (आरटीएस, एस/एएस01) की मंजूरी विज्ञान की ही गौरवशाली उपलब्धियां हैं। टीकाकरण से लेकर कैंसर के उपचार तक, लोग अक्सर वैज्ञानिक प्रमाणों के स्थान पर अवैज्ञानिक दावों की ओर आकर्षित हो जाते हैं। ऐसे में यह थीम दुनिया को याद दिलाती है कि विज्ञान ने ही हमें टीके, एंटीबायोटिक्स, उन्नत सर्जिकल तकनीक और जीवन रक्षक दवाएं दी हैं। वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रति सम्मान और शोध में निवेश ही वह मार्ग है, जिससे भविष्य की महामारियों को रोका जा सकता है। इसके साथ ही, 2026 का अभियान वन हेल्थ दृष्टिकोण पर बहुत अधिक जोर देता है। विज्ञान हमें बताता है कि मनुष्यों का स्वास्थ्य अकेले नहीं सुधारा जा सकता, क्योंकि यह पशुओं और हमारे साझा पर्यावरण के स्वास्थ्य से गहराई से जुड़ा हुआ है। डेटा बताते हैं कि मनुष्यों में होने वाली लगभग 75 प्रतिशत नई उभरती संक्रामक बीमारियां 'जूनोटिक' होती हैं, यानी वे जानवरों से मनुष्यों में फैलती हैं। गैर-संचारी रोग जैसे हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर और श्वसन संबंधी बीमारियां वर्तमान में दुनिया भर में होने वाली कुल मौतों का लगभग 74 प्रतिशत हिस्सा हैं। डेटा के अनुसार, प्रत्येक वर्ष लगभग 41 मिलियन लोग इन बीमारियों के कारण अपनी जान गंवाते हैं, जिनमें से 17 मिलियन मौतें 70 वर्ष की आयु से पहले ही हो जाती हैं। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि हमारी जीवनशैली और वैज्ञानिक परामर्श की अनदेखी हमें किस ओर ले जा रही है। विशेष रूप से मधुमेह की समस्या एक वैश्विक संकट बन चुकी है

डिजिटल युग में भरोसेमंद है अखबार

विचार

डॉ. संजय शुक्ला

बीते दिनों एक समाचार पत्र द्वारा आयोजित एक किताब के विमोचन समारोह अवसर पर 'डिजिटल सुनामी के बीच प्रिंट' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता द्वारा परंपरागत मीडिया के सामने डिजिटल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 'एआई' के चुनौतियों के बारे में अनेक पहलुओं पर विचार साझा किया गया। व्याख्यान का कुल मिलाकर लब्बोलुआब यही था कि डिजिटल मीडिया की सुनामी और 'एआई' के झंझावात के बावजूद प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता अभी भी कायम है। बिलाशक मीडिया विस्फोट के बावजूद अखबार आज भी आम भारतीय परिवारों के दिनचर्या का अहम हिस्सा है। एक दौर वह भी था जब घरों में सुबह की शुरुआत अखबार और चाय की प्याली से होती थी। अखबार के प्रति लोगों में बेकरारी का आलम यह होता था कि यदि तय वक्त में यह न पहुंचे तो लोग दरवाजे पर हॉकर का इंतजार करते थे। उस पीढ़ी में परिवार के लोग अखबार के अलग-अलग पन्नों को बांटकर पढ़ा करते थे और सबके अपने-अपने पसंदीदा पेज हुआ करता था।

गौरतलब है कि प्रागैतिहासिक काल से आधुनिक सभ्यता के विकास के हर दौर में मनुष्य सूचनाओं के प्रति हमेशा से जिज्ञासु रहा है।मानवीय जिज्ञासा का ही परिणाम है कि संचार माध्यमों का बड़ी तेजी से विकास हुआ है जिससे मीडिया जगत भी अछूता नहीं है। वक्त ने करवट बदली और नयी पीढ़ी अखबार से दूर होते चली गई। इस बदलाव की प्रमुख वजह युवा पीढ़ी की अस्त-व्यस्त दिनचर्या और अखबारों के प्रति उदासीनता के अलावा डिजिटल मीडिया की लत है। आज की पीढ़ी खबरों के लिए सोशल मीडिया खंगालती है भले ही खबरों की सत्यता संदेहास्पद हो। अखबार और डिजिटल मीडिया में यही मूल अंतर है कि समाचार-पत्रों में किसी भी खबर के प्रति मर्यादा और जवाबदेही होती है जबकि डिजिटल मीडिया में इसका सर्वथा अभाव होता है। नयी पीढ़ी को अखबारों से जोड़ने के उद्देश्य से ही उत्तरप्रदेश, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में वहां के सरकारों ने सभी सरकारी स्कूलों में छात्रों को प्रतिदिन अखबार पढ़ाए जाने का निर्णय लिया है। इस फैसले के पीछे प्रमुख मंशा छात्रों में पढ़ने की आदत और रूचि को विकसित करना है और यह समाचार पत्रों के माध्यम से ही संभव है। बेशक राज्य सरकारों का यह निर्णय अन्य राज्यों के लिए भी अनुकरणीय है क्योंकि इससे छात्रों के स्क्रीन टाइम में भी कमी आएगी जो एक बड़ी चुनौती है।

सूचना क्रांति के वर्तमान दौर में डिजिटल और सोशल मीडिया के धमक ने सदियों पुराने पारंपरिक मीडिया के वर्चस्व को तोड़ दिया है। इंटरनेट ने समाचारों की गति और प्रकृति दोनों को बदल दिया है जबकि पत्रकारिता का उद्देश्य तकनीक में नहीं बल्कि खबरों की सत्यता में है। विडंबना है कि आज के 'इंस्टेंट' दौर में पाठक सोशल मीडिया की बिखरी हुई खबरों को सच मान रहा है जो पत्रकारिता के लिए एक त्रासदी है। डिजिटल और सोशल मीडिया ने खबरों की रफ्तार को रॉकेट साइंस की गति दे दी है फलस्वरूप सबसे पहले और सबसे जल्दी की फेर में खबर की सत्यता परखे बिना फर्जी खबरें और विडियो को रिट्वीट या वायरल करने की दिवानगी काफी बढ़ी है।हाल के दिनों में अनेक राजनेताओं और सेलेब्रिटियों के मौत से लेकर सांप्रदायिक दंगों से संबंधित फेक न्यूज और विडियो वायरल होने के मामले प्रकाश में आई है जिससे तनाव बढ़ा था। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के एक शोध में पता चला है कि डिजिटल मीडिया में फर्जी खबरें बड़ी तेजी से फैलती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि फेक न्यूज 'अधिक नवीन' होता है और यूजर्स भी अपने उतावलेपन में बिना खबर की पुष्टि किए तेजी से रिट्वीट या शेयर करते हैं। वैश्विक परिदृश्य में देखें तो शोध के नतीजे सौ फीसदी सटीक हैं क्योंकि कोरोना महामारी और युद्ध के दौरान सबसे फर्जी खबरें और वीडियो सोशल मीडिया के जरिए ही फैली है।

बकौल वरिष्ठ पत्रकार आलोक पुतुल 'डिजिटल मीडिया ने सूचना को लोकतांत्रिक बनाया है लेकिन इसमें संपादन की संस्कृति कमजोर हो गई है। डिजिटल मीडिया में संवाद बढ़ा है लेकिन भाषा और तथ्य दोनों असावधान हो गए हैं। उनका मानना है कि डिजिटल मीडिया अभिव्यक्ति का सबसे बड़ा माध्यम है लेकिन सत्य और असत्य का फासला काफी कम रह गया है।इसके इतर प्रिंट मीडिया में खबरें कई स्तरों से गुजरती है और संपादक का निर्णय अंतिम होता है मतलब साफ है कि इस माध्यम में खबरों की जवाबदेही तय है। अखबारों की इसी जिम्मेदारी के चलते पाठकों का भरोसा आज भी डिजिटल मीडिया की तुलना में प्रिंट मीडिया के प्रति अधिक है।मुकम्मल बात यह कि मीडिया जगत में हो रहे तमाम बदलाव के बावजूद डिजिटल मीडिया के सामने सबसे बड़ा संकट भरोसे का है जिसके चलते गंभीर पाठकों का विश्वास अखबारों पर ही है। ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशंस 'एबीसी' के एक सर्वे के मुताबिक 70 फीसदी से अधिक पाठकों ने प्रिंट मीडिया को भरोसेमंद बताया है।

गौरतलब है कि भारत में समाचार पत्रों का स्वर्णिम इतिहास रहा है, देश के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर स्वातंत्र्योत्तर भारत के राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में अखबारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अखबारों के इतिहास पर गौर करें तो दुनिया में अखबारों की शुरुआत 400 साल पहले हुई वहीं भारत में यह 245 साल पुराना है। देश का पहला अंग्रेजी अखबार 1780 में 'द बंगाल गजट' के नाम से कोलकाता से प्रकाशित हुआ तथा 1826 में 'उदन्त मार्तण्ड' के नाम से पहले हिंदी समाचार पत्र की शुरुआत हुई। इंटरनेट क्रांति से पहले तक अखबार ही समाचार और सूचनाओं के लिए एक सबसे प्रभावी माध्यम हुआ करता था। देश में भारतीय परिवारों के बीच रेडियो, टेलीविजन न्यूज चैनलों की पैठ होने के बावजूद अखबारों की प्रासंगिकता थी क्योंकि समाचार पत्र ही एक ऐसा माध्यम था जो लोगों को स्थानीय से लेकर देश और दुनिया की खबरें देने में कामयाब है।मीडिया जगत में हो रहे बदलाव के मद्देनजर अखबारों ने भी अपने तकनीक को विकसित किया है जिसका परिणाम है कि आज समाचार पत्र भी डिजिटल से लेकर प्रिंट के स्वरूप में पाठकों के सामने है। समाचार पत्रों के बाजार को देखें तो कोरोना महामारी के दौर को छोड़ दें तो भारत दुनिया का सबसे बड़ा समाचार पत्र बाजार है। बीते वर्ष 2025 में भारतीय अखबार उद्योग का कुल राजस्व 26,000 करोड़ से अधिक था जिसका चालू वर्ष में 30,000 करोड़ रुपए होने की संभावना है। अनुमान के मुताबिक साल 2030 भारतीय अखबार उद्योग का बाजार 36,000 करोड़ रुपए पहुंचने की उम्मीद है। कोरोना महामारी ने प्रिंट मीडिया पर खासा असर डाला था फलस्वरूप 2020 में राजस्व प्राप्ति 19,000 करोड़ रुपए की थी।

अलबत्ता अखबार केवल बौद्धिक विकास में ही सहायक नहीं है बल्कि यह बुजुर्गों में होने वाले मानसिक रोग 'अल्जाइमर' के बचाव और नियंत्रण में भी सहायक है। इस दिमागी बीमारी में व्यक्ति की याददाश्त धीरे-धीरे कमजोर होते जाती है जिससे उसके सोचने - समझने की क्षमता और व्यवहार पर असर पड़ता है। चिकित्सा विशेषज्ञों की मानें तो अखबारों में प्रकाशित होने वाले शब्द पहेली, सुडोकू और वर्ग पहेली का नियमित अभ्यास अल्जाइमर के बचाव और नियंत्रण में मददगार हो सकता है। दरअसल शब्द पहेली और सुडोकू मस्तिष्क को सक्रिय रखती है तथा याददाश्त में सुधार भी करता है। इन पहेलियों से लोगों में जहां तर्क शक्ति बढ़ती है वहीं इससे मनोरंजन भी होता है जो एकाकीपन और अवसाद से बचाता है। लिहाजा हम कह सकते हैं कि अखबार केवल राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक चेतना के लिए ही नहीं बल्कि सेहत और बौद्धिक विकास के लिए भी आवश्यक है। अखबार केवल सूचना और बौद्धिक विकास के माध्यम ही नहीं है बल्कि यह लाखों लोगों के आजीविका का भी साधन है।

बहरहाल भारत में अखबारों के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजस्व की है क्योंकि एक दौर में विज्ञापनों पर एकाधिकार सिर्फ अखबारों और पत्रिकाओं का था लेकिन टेलीविजन के विस्तार ने इस एकाधिकार पर तेजी से असर डाला है। आज इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया से आगे डिजिटल मीडिया खड़ा है जिसके हिस्से में अच्छा - खासा राजस्व जा रहा है लिहाजा अखबारों के सामने अनेक चुनौतियां भी हैं। अलबत्ता आम पाठकों की रूचि गंभीर लेखन और सच को पढ़ने की है इसलिए तमाम चुनौतियों के बावजूद अखबार का अस्तित्व हमेशा रहेगा। यह भी सच है कि जो भरोसेमंद होता है वही टिकाऊ होता है लिहाजा यह भरोसा कायम रखने के लिए अखबारों को भी वर्तमान जरूरत के मुताबिक अपने कलेवर और कंटेंट में बदलाव करना होगा।

मन पतंग, श्वास डोर!

संकलित

दर्शन

केवल एक स्वस्थ कली ही खिल सकती है। उसी प्रकार केवल एक स्वस्थ व्यक्ति ही सफल हो सकता है। तो स्वस्थ होना क्या है? यदि आपके भीतर कड़ापन, बेचैनी या असंतोष है, तो आप स्वस्थ नहीं हैं। यदि मन अस्थिर और अशांत है, तो आप मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं। यदि भावनाएं असंतुलित हैं, तो आप भावनात्मक रूप से स्वस्थ नहीं हैं। पूर्ण स्वास्थ्य की स्थिति प्राप्त करने के लिए मन को शांत, स्थिर और भावनाओं को कोमल रखना आवश्यक है। पूर्ण स्वास्थ्य हमारे भीतर से बाहर और बाहर से भीतर निरंतर प्रवाहित होना चाहिए। संस्कृत में स्व या आत्मा में स्थित होने को स्वास्थ्य कहते हैं। हमारे ग्रंथों में कहा गया है कि हमारा अस्तित्व के पांच कोश (परत) होते हैं। पहला है पर्यावरण, अर्थात हमारे चारों ओर का वायुमंडल- यह हमारा मूल आवरण है। दूसरा है भौतिक शरीर। तीसरा है प्राणमय कोश, अर्थात जीवन ऊर्जा। चौथा है मनोमय कोश, जिसमें विचार, भावनाएं और कल्पनाएं होती हैं। पांचवां है विज्ञानमय या अंतर्ज्ञानमय कोश, जिसमें सहज अनुभूति और गहरी समझ होती है- यह अत्यंत सूक्ष्म और प्रभावशाली है। जब कोई रोग उत्पन्न होता है, तो वह पहले विचार रूप में आता है, फिर ध्वनि रूप में, फिर प्रकाश रूप में आभामंडल में प्रकट होता है, और अंततः शरीर में दिखाई देता है।

जब हमसे कोई गलती हो जाए तो उसे स्वीकार करें

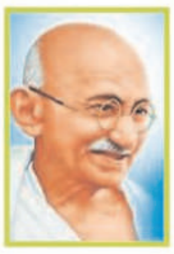

संकलित

प्रेरणा

महात्मा गांधी के बचपन का चर्चित किस्सा है। जब गांधी जी छोटे थे, तब एक दिन उन्होंने अपने ही घर में चोरी कर ली थी। इस बारे में गांधी जी ने भी खुद जिक्र किया था। बालक मोहनदास ने बड़े भाई के सोने के कड़े में से कुछ सोना निकाल लिया था। मोहनदास अपनी कुछ जरूरतें पूरी करना चाहते थे, जिसके लिए उन्हें धन की जरूरत थी। उन्होंने चोरी कर ली, लेकिन बाद अपनी गलती का एहसास हुआ तो उन्हें बहुत पछतावा हुआ। वे सोचने लगे कि अब इस गलती को किसके सामने स्वीकार किया जाए? मोहनदास ने पिता के सामने गलती स्वीकार करने का निश्चय किया। उन्हें डर भी लग रहा था कि अगर चोरी के बारे में बताऊंगा तो सजा भी मिलेगी। मोहनदास ने डरते-डरते अपने पिता को एक चिट्ठी लिखी, चिट्ठी में उन्होंने अपनी गलती के बारे में लिखा था। जब मोहनदास के पिता को चिट्ठी मिली तो उन्होंने उसे पढ़ा। चिट्ठी में पूरी बात लिखने के साथ ही लिखा था कि मैंने गलती की है और मैं अपनी गलती स्वीकार करता हूं, मैं इसकी सजा मानने के लिए भी तैयार हूं। जैसे ही मोहनदास के पिता ने चिट्ठी पढ़ी तो उनकी आंखों से आंसु आ गए और वे मौन हो गए। जबकि मोहनदास ने सोचा था कि पिता से डांट पड़ेगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। पिता के मौन ने गांधी जी की सोच बदल दी, इस घटना के बाद से ही संसार को महात्मा गांधी के रूप में सबसे ईमानदार व्यक्ति मिल गया।

अंतर्मन

आज की पाती

युद्ध की आग में झुलसती दुनिया

मध्य पूर्व का क्षेत्र एक बार फिर भय और अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। चारों ओर धुएं के गुबार उठ रहे हैं और कभी आबाद रहने वाले शहर अब खामोश खंडहरों में बदलते जा रहे हैं। जहां कभी बच्चों की आवाजें गूंजती थीं वहां अब सन्नाटा और डर का माहौल है। इमारतें धीरे धीरे जंगल का रूप लेती जा रही हैं और इनसान अपनी ही बनाई तबाही के बीच जीने को मजबूर है। यह केवल किसी एक देश की त्रासदी नहीं है बल्कि पूरी मानवता के लिए एक चेतावनी है। ईरान और अमरीका के बीच बढ़ता संघर्ष केवल दो देशों का टकराव नहीं, बल्कि वैश्विक संतुलन को प्रभावित करने वाला संकट बन चुका है। हाल की घटनाओं में जिस तरह से युद्ध ने तीव्र रूप लिया है उससे यह साफ हो गया है कि हालात किसी भी समय और ज्यादा गंभीर हो सकते हैं। दुनिया युद्ध की आग में झुलस रही है। *-कांतिलाल मांडोत, सूरत*

ट्रेंड

कार्यकर्ता ही ताकत

भाजपा की ताकत उसके कार्यकर्ताओं में निहित है। उनकी अटूट निष्ठा और सेवा के प्रति समर्पण ही यह सुनिश्चित करता है कि पार्टी का विजन देश के हर कोने तक पहुंचे। उनके प्रयास पार्टी को आगे बढ़ाने की ऊर्जा प्रदान करते है। **-नरेंद्र मोदी**, पीएम

मेडिकल कॉलेजों में सीटें बेची

नारायणसामी सरकार के दौरान मेडिकल कॉलेजों की पीजी और डिप्लोमा सीटें खुलेआम बेची जाती थीं। दलित भाइयों और बहनों के लिए आरक्षित सीटें भी आरक्षण नियमों से बाहर जाकर बेची गईं। उन्होंने इस खूबसूरत राज्य को बर्बाद करने का काम किया। **-अमित शाह**, केंद्रीय गृहमंत्री

एलडीएफ-भाजपा में डील

आने वाले केरलम चुनाव के लिए एलडीएफ और भारतीय जनता पार्टी के बीच एक सीक्रेट डील हुई है। हमने देखा है कि सबरीमाला मंदिर में बड़े पैमाने पर चोरियां हुई है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से एक शब्द भी नहीं आया। यही इस डील के सबूत हैं। **-प्रियंका गांधी**, कांग्रेस सांसद

मोदी कुछ नहीं बोले

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने खुलेआम कोलकाता पर हमला करने की धमकी दी है। और नरेंद्र मोदी ने क्या कहा? कुछ नहीं। क्या हम इंडियन यूनियन का एक स्टेट नहीं माने जाते? क्या हमारे लोगों की जान कोई मायने नहीं रखती? **-ममता बनर्जी**, सीएम पश्चिम बंगाल

करंट अफेयर

किम की बेटी हो सकती है उनकी उत्तराधिकारी

दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी का कहना है कि अब उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की किशोरवय बेटी को उनकी उत्तराधिकारी के रूप में देखना उचित होगा। यह किम जोंग उन की बेटी की बढ़ती राजनीतिक स्थिति पर अब तक का सबसे जोरदार आकलन है, जिसके बारे में एजेंसी का मानना है कि वह अपने परिवार के शासन को चौथी पीढ़ी तक बढ़ा सकती है। सरकारी मीडिया द्वारा किम की 'सबसे प्रिय' या 'सम्मानित' संतान के बतायी जा रही यह लड़की, 2022 के अंत से अपने पिता के साथ कई हाई-प्रोफाइल कार्यक्रमों में शामिल हुई है.

ऑफ बीट

क्या वजन से स्वास्थ्य का आकलन हो सकता है

हमें पढ़ाया गया है कि दुबलेपन का सेहत से और अधिक वजन का बीमारी से संबंध होता है। लेकिन विज्ञान एक ज्यादा बारीक कहानी कहता है–जहां वजन एक कहीं ज्यादा जटिल तस्वीर में सिर्फ एक आंकड़ा भर है। तो अगर अकेले वजन ही यह नहीं दर्शाता कि हम कितने स्वस्थ हैं, तो और क्या दर्शाता है? शरीर का वजन स्वास्थ्य के सबसे ज्यादा मापे जाने वाले पैमानों में से एक है। समाज इस पर बहुत जोर देता है और किसी व्यक्ति के वजन की आलोचना को अक्सर स्वास्थ्य संबंधी चिंता के रूप में देखा जाता है। तो वजन असल में कितनी सार्थक स्वास्थ्य जानकारी प्रदान करता है?

संक्षेप

व्यापारियों ने जनसमस्याएं उठाई

पुल निर्माण में तेजी और पिंक शौचालय की मांग

अमेठी , उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल की मासिक बैठक मंगलवार को जिला कार्यालय में हुई। इसमें बड़ी संख्या में व्यापारियों ने भाग लिया। बैठक में संगठन विस्तार के साथ-साथ नगर और क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। इस दौरान कई नए व्यापारियों ने सदस्यता ग्रहण की। महिला प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए कल्पना सिंह को जिला उपाध्यक्ष और घनश्याम वर्मा को भी जिला उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। इसके अतिरिक्त, नगर अमेठी के मुंशीगंज बाजार में भी संगठन को मजबूत करते हुए उपाध्यक्ष पद पर मनोनयन किया गया। बैठक की अध्यक्षता महेश सोनी ने की। बैठक में महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष रुचि पाण्डेय ने अमेठी नगर में महिलाओं के लिए पिंक शौचालय की व्यवस्था न होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बाजार आने वाली महिलाओं को इससे काफी असुविधा होती है, इसलिए जल्द से जल्द पिंक शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। व्यापारियों ने अमेठी से संग्रामपुर स्थित आदि शक्ति पीठ मां कालिका धाम मार्ग पर बन रहे पुल निर्माण कार्य में हो रही देरी पर भी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि यह कार्य लंबे समय से चल रहा है, जिससे आम लोगों और व्यापारियों को आवागमन में परेशानी हो रही है। निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग की गई। बैठक में अमेठी नगर लिंक रोड के किनारे अधूरे पड़े सड़क निर्माण कार्य को भी जल्द पूरा कराने की मांग उठी। वहीं, रामलीला मैदान के पास हाल ही में बनी सड़क के किनारों पर मिट्टी न डाले जाने से उत्पन्न समस्या को भी प्रमुखता से रखा गया। व्यापारियों ने बताया कि सड़क ऊंची हो गई है और किनारे निचले होने के कारण वाहन चढ़ाने-उतारने में दिक्कत होती है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। उपस्थित सभी व्यापारियों ने प्रशासन से एक स्वर में मांग की कि पुल निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराया जाए।

डीएम ने कराई क्रॉप कटिंग

प्रति हेक्टेयर 29 क्विंटल उपज, किसानों से सरकारी क्रय केंद्रों पर बेचने की अपील

अमेठी , जिलाधिकारी संजय चौहान ने आज गौरीगंज तहसील के तुलसीपुर ग्राम पंचायत में गेहूं की फसल का उत्पादन जानने के लिए क्रॉप कटिंग कराई। इस दौरान प्रति हेक्टेयर 29 क्विंटल गेहूं की उपज दर्ज की गई। जिलाधिकारी ने किसानों से सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं बेचने की अपील भी की। जिलाधिकारी चौहान ने राजस्व और कृषि विभाग की टीम के साथ किसान रामसिंह के खेत पर पहुंचकर अपने सामने 43.03 वर्ग मीटर क्षेत्र में गेहूं की फसल की कटिंग करवाई। कटाई के बाद फसल का वजन 12.560 किलोग्राम निकला, जिसके आधार पर प्रति हेक्टेयर उपज 29 क्विंटल आंकी गई। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को क्षतिपूर्ति का भुगतान करने के लिए क्रॉप कटिंग के आंकड़े अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। ये आंकड़े फसल के वास्तविक उत्पादन का आकलन करने में सहायक होते हैं।

तेंदुए के हमले में प्रधान पुत्र समेत दो घायल, मेडिकल कॉलेज में भर्ती

कतर्नियाघाट में वन्य जीवों के लगातार हो रहे हमले से ग्रामीणों में दहशत

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। वन्य जीवों के हमले में ग्राम प्रधान के पुत्र समेत दो लोग घायल हो गए हैं जिन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग क्षेत्र में लगातार वन्यजीवों के हमले में लोग घायल हो रहे हैं वहीं वन विभाग के पास हमलों को रोकने के लिए कोई ठोस नीति या कोई इंतजाम नहीं है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है लोग दहशत के साए में जिंदगी जीने को मजबूर है। गुरुवार को वन्यजीवों के हमले से दो लोग घायल हो गए जिन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है जहां पर इलाज चल रहा है इन हमलों में जहां ग्रामीणों का कहना है कि हमलावर बाघ है वहीं वन विभाग ने तेंदुए के हमले को स्वीकारा है। कतर्नियाघाट के ग्रामीण क्षेत्रों में तेंदुए के बढ़े हमलों से ग्रामीणों में भारी दहशत व्याप्त है और लोग घरों से बाहर निकलने पर अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं मोतीपुर वन रेंज के ग्राम दौलतपुर निवासी असलम 25 वर्ष अपने मक्का के खेत में काम कर रहे थे जहां पहले से मौजूद तेंदुए ने हमला कर दिया आसपास मौजूद ग्रामीणों ने हांका लगाकर तेंदुआ को खदेड़ दिया जिसपर तेंदुआ वापस खेत में चला गया तेंदुआ के हमले की सूचना पर गांव से काफी लोग मौके पर पहुचे तभी तेंदुआ दुबारा निकलकर भीड़ में मौजूद रमीम 28 वर्ष पर हमला कर दिया जिसपर दोनों घायलों को सीएचसी मिहींपुरवा लाया गया। रमीम दौलतपुर की वर्तमान ग्राम प्रधान हासमा के पुत्र हैं। गांव के किनारे घटित हुई घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। सूचना पाकर मौके पर वन क्षेत्राधिकारी एसके तिवारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। डीएफओ अपूर्व दीक्षित ने बताया कि दौलतपुर में तेंदुए के हमले में दो लोग घायल हुए हैं जिन्हें चिकित्सा हेतु भेजा गया है वन विभाग की टीम लगाकर गस्त बढाई गई है लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है। तेंदुए को सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल मे भेजने के लिए मौके पर वन विभाग की टीम जुटी हुई है।

कैसरगंज की होनहार बेटी श्रद्धा सिंह ने बढ़ाया जिले का मान

NET क्वालीफाई कर रचा इतिहास

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो तो सफलता जरूर मिलती है– इस बात को एक बार फिर साबित किया है कैसरगंज क्षेत्र की होनहार बेटी श्रद्धा सिंह ने। ग्राम पबनी निवासी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सत्सरण सिंह की पुत्री श्रद्धा सिंह ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) उत्तीर्ण कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे जनपद बहराइच का नाम गौरवान्वित किया है।

श्रद्धा सिंह की इस उपलब्धि से कैसरगंज क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। जैसे ही उनकी सफलता की खबर लोगों तक पहुंची, बधाइयों का तांता लग गया। क्षेत्र के बुद्धिजीवियों, शिक्षकों और सामाजिक कार्यकताओं ने इसे जिले के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए श्रद्धा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

श्रद्धा सिंह शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं। उन्होंने कानपुर यूनिवर्सिटी से एमए (इतिहास) में गोल्ड मेडल हासिल किया था, जो उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रमाण है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प के दम पर यह मुकाम हासिल किया है।

वर्तमान में श्रद्धा सिंह प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रही हैं। नौकरी के साथ-साथ उन्होंने NET जैसी कठिन परीक्षा की तैयारी कर यह साबित कर दिया कि अगर इरादे मजबूत हों तो कोई भी लक्ष्य दूर नहीं होता।

उनकी इस सफलता से क्षेत्र के अन्य छात्र-छात्राओं को भी प्रेरणा मिली है। खासकर ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों के लिए श्रद्धा सिंह एक मिसाल बनकर उभरी हैं, जो यह संदेश देती हैं कि मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर किसी भी ऊंचाई को हासिल किया जा सकता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि श्रद्धा सिंह की यह उपलब्धि पूरे कैसरगंज के लिए गर्व का विषय है और इससे शिक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। उनके इस सफलता से क्षेत्र में शिक्षा का माहौल और मजबूत होने की उम्मीद है।

एसएसबी ने 1 किलो 180 ग्राम चरस के साथ एक नेपाली व्यक्ति किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। भारत नेपाल सीमा पर तैनात एस एस बी ने 1 किलो 180 ग्राम चरस के साथ एक नेपाली व्यक्ति किया गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरीश चंद पाण्डेय, कमांडेंट, 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल ने बताया कि सीमा चौकी मौलाना पुरवा के जवानों ने नशीले पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने बताया कि बुधवार को गुप्त सूचना के आधार पर 42वीं वाहिनी एसएसबी एवं स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने भारत-नेपाल सीमा पर सघन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान बुधवार को सीमा स्तंभ संख्या 641 के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 1 किलो 18 ग्राम अवैध चरस बरामद हुई। पूछताछ में अभियुक्त ने अपना नाम सुरेंद्र वर्मा (25 वर्ष), पुत्र बुट्टा वर्मा, निवासी भवनियापुर नेपालगंज (जनपद बांके, नेपाल) बताया। उसने स्वीकार किया कि वह नेपाल से चरस

लाकर भारत में अवैध रूप से बिक्री करता है। एसएसबी एवं पुलिस द्वारा संयुक्त कार्रवाई में अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। तत्पश्चात उसे अग्रिम कार्रवाई हेतु पुलिस थाना संथालिया के सुपुर्द कर दिया गया।

रूपईडीहा के अमन कसौधन ने एसएससी की सीजीएल परीक्षा में पूरे भारत में 60वी रैंक हासिल कर बढ़ाया जिले का मान

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। भारत के सीमावर्ती जिले बहराइच के एक छोटे से कस्बा रूपईडीहा के रहने वाले अमन कसौधन ने कर्मचारी चयन आयोग (SSC) की प्रतिष्ठित CGL परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया की (AIR) 60 वी रैंक प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि के साथ ही उनका चयन आयकर विभाग में इनकम टैक्स ऑफिसर के पद पर हुआ है, जिससे पूरे जिले सहित रूपईडीहा कस्बे में खुशी की लहर दौड़ गई है।

अमन कसौधन शिव गणेश कसौधन के पुत्र एवं कामता प्रसाद कसौधन के पौत्र हैं और साकेत नगर, रूपईडीहा के निवासी हैं। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने इंटरमीडिएट की पढ़ाई जवाहर नवोदय विद्यालय बहराइच से पूरी की, जहां से ही उनकी शैक्षिक प्रतिभा का विकास हुआ। इसके पश्चात उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए बनारस हिंदू विश्वविद्यालय का रुख किया और वहां से स्नातक की पढ़ाई पूरी की।

अमन की इस सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत, माता पिता का आशीर्वाद, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ज्ञात हो कि वह एक माध्यम वर्ग के परिवार से है और उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद निरंतर प्रयास करते हुए यह मुकाम हासिल किया, जो अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है।

उनकी इस उपलब्धि पर रूपईडीहा सहित पूरे बहराइच जिले के लोगों ने गर्व व्यक्त किया है। स्थानीय नागरिकों, शिक्षकों उनके मित्र एवं समाज के विभिन्न वर्गों ने अमन को एवं उनके माता पिता को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अमन कसौधन की यह सफलता यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो किसी भी कठिन परीक्षा को पार किया जा सकता है।

सराहनीयः गांव-गांव भ्रमण कर फार्मर रजिस्ट्री शिविर का एसडीएम नानपारा ने लिया जायजा

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। उप जिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी ने तहसील नानपारा अन्तर्गत ग्राम उमरिया व चनैनी सहित अन्य ग्रामों का भ्रमण कर फार्मर रजिस्ट्री अभियान के तहत गांव-गांव लगाये गये शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने शिविर में मौजूद लेखपालों व कृषि विभाग के कर्मचारियों को निर्देश दिया कि कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री के साथ-साथ खतौनी में नाम की त्रुटि, अंश निर्धारण, नाम मिसमैच जैसी समस्याओं का भी गुणवत्तापूर्ण समाधान कराया जाय ताकि सभी सम्बन्धित कृषक निर्बाध रूप से योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ प्राप्त कर सकें। एसडीएम ने किसानों से कहा कि फार्मर रजिस्ट्री एक अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज है। भविष्य में पीएम किसान सम्मान निधि, खाद-बीज पर सब्सिडी, कृषि यंत्रों पर छूट जैसी सभी सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए फार्मर आईडी अनिवार्य होगी। फार्मर रजिस्ट्री बन जाने पर फसलों की बिक्री (गेहूं, धान, सरसों) में आसानी होगी, किसान क्रेडिट कार्ड मात्र 3 दिनों में बन सकेगा, फसल क्षति पर मुआवजा प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी, सभी सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी समस्या के मिल सकेगा। उन्होंने कृषकों को सुझाव दिया कि अपने आधार लिंक मोबाइल नंबर, आधार कार्ड और खतौनी/गाटा संख्या के साथ नजदीकी कैंप, जनसेवा केंद्र या लेखपाल से संपर्क कर तत्काल फार्मर रजिस्ट्री करा लें।

जनपद स्तरीय बच्चों ने निकाली स्कूल चलो अभियान रैली

अमन लेखनी समाचार

संतोष मिश्रा

बहराइच। बेसिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में गुरुवार को कलेक्ट्रेट से स्कूल चलो अभियान की रैली निकाली गई। रैली को जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी और एमएलसी डा.प्रज्ञा त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। स्कूल चलो अभियान रैली को संबोधित करते हुए विधायक नानपारा राम निवास वर्मा ने कहा कि 6-14 आयु वर्ग के सभी बच्चों को विद्यालय तक पहुंचाने में शिक्षकों के साथ अभिभावकों को भी आगे आना होगा। बच्चों के शिक्षित होने से उनके साथ ही समाज व राष्ट्र की उन्नति होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन होना जरूरी है। इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चंद्र ने अभिभावकों से बच्चों पाल्यों को नियमित विद्यालय भेजने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने कहा कि आउट आफ स्कूल बच्चों का सर्वेक्षण कर विद्यालय में नामांकित कराएं। शासन द्वारा संचालित सभी योजना का लाभ बच्चों को प्राप्त हो, ऐसा सभी प्रयास करें। वित्त एवं लेखाधिकारी वीरेश कुमार वर्मा, खंड शिक्षा अधिकारी अनुराग कुमार मिश्र, अजीत सिंह, रणजीत कुमार, पुष्पेंद्र जैन, .डाली मिश्रा, ने भी संबोधित किया। उपरोक्त कार्यक्रम में अनुराग शर्मा, राकेश सिंह, प्रदीप वर्मा, इसरार अहमद, मनोज दीक्षित, सुधीर मेहरोत्रा, प्रीती श्रीवास्तव, नैमिष गिरि, कुमार अभय, हरिओम मिश्र, जितेंद्र रॉय, सुरेश यादव, सूर्य प्रताप जायसवाल, नरेंद्र राय, पवन दूवे, राजेश मिश्र, राजेश पाण्डेय, आशा राम, शोभा यादव सहित दर्जनों सम्मानित खण्ड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्यवक, एस आर जी, ए आर पी, शिक्षक, अभिभावक व बच्चे उपस्थित रहे।

बाल मेला, मीना मंच और विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। नवाबगंज क्षेत्र स्थित पीएम श्री विद्यालय लक्ष्मनपुर सलारपुर में गुरुवार को बाल मेला, मीना पंच और विज्ञानं प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने मॉडल कोण, वाटर डिस्टिलेशन, यातायात एवं संचार, वित्तीय संस्थान, नर्वस सिस्टम, न्यूटन क्रेडल आदि प्रोजेक्ट आकर्षक का केंद्र रहे जिसको देख कर लोग मंत्र मुग्ध हो गए। इस मौके पर अतिथिगणों ने कहा कि छात्र-छात्राओं के विकास से ही देश का विकास होता है। यहां के बच्चों में जो आज विश्वास देखने को मिला वह कम विद्यालयों में ही देखने कों मिलता है। अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रधानाध्यापक राम निवास ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। छात्रों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र भेंट

किए गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रजनीश उपाध्याय, संजय कुमार यादव, शिवरतन मौर्य, पवन कुमार वर्मा, निर्मल चौधरी, अरविंद बर्मा, शैलेंद्र कुमार यादव, दीपक कुमार राहुल श्रीवास्तव, रजनीश शर्मा सुग्रीव वर्मा उपस्थिति रहे।

धनावा में पागल सियार का आतंक, दो घायल, वन विभाग की टीम पहुंची

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। खैरीघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत धनावा ग्राम पंचायत में गुरुवार सुबह 6 बजे पागल सियार के हमले से एक बुजुर्ग और एक बालक घायल हो गए। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, रामचन्द्र त्रिवेदी घर से पशुओं को देखने निकले थे, तभी अचानक सियार ने उन पर हमला कर दिया। कुछ ही देर बाद घर के बाहर खेल रहे बालक हिमांशू अवस्थी पर भी सियार ने हमला कर दिया, जिससे वह भी घायल हो गया। घटना के बाद परिजनों ने दोनों घायलों को तत्काल मेडिकल कॉलेज बहराइच पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है। सूचना मिलते ही डिप्टी रेंजर संजय कुमार ओझा वन विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सियार की तलाश शुरू करते हुए ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है। ग्रामीणों से अकेले बाहर न निकलने और बच्चों पर विशेष नजर रखने की अपील की गई है।

जेल में बंदी ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

शौचालय में लटकता मिला शव, 13 दिन पहले फोन कॉल न उठाने पर की थी पत्नी की हत्या

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर , जिला कारागार में बंद एक बंदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 42 साल के बंदी का शव सोमवार रात जेल के बैरक में शौचालय के अंदर प्लास्टिक की रस्सी के सहारे लटका मिला। आरोपी ने फोन न उठाने से नाराज होकर अपनी पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। जिसके बाद उसे 12 दिन पहले ही न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया था। पुलिस की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने जेल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है- माता-पिता दोनों की मौत के बाद अब उनके तीन मासूम बच्चों का क्या होगा? फिलहाल जेल प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। अब पूरा मामला विस्तार से पढ़िए... धनपतगंज ब्लॉक के सेवरा चरथई गांव निवासी नक्छेद (45) अपने परिवार के साथ रहता था। परिवार में पत्नी कुसुम (42), बेटा उदयभान (9) और बेटी दीक्षा (8) शामिल हैं, जबकि बड़ा बेटा तिलक राज (22) पंजाब में नौकरी करता है। नक्छेद मजदूरी करके अपने परिवार का खर्चा चलाता था। 23 मार्च को नक्छेद एक घर में लिंटर डालने का काम कर रहा था। इसी दौरान उसने पत्नी को फोन किया। किसी काम में व्यस्त होने की वजह से पत्नी फोन नहीं उठा पाई। इसी बात से नाराज होकर पति घर आया और रात 12 बजे मारपीट करने लगा। मां को बचाने के लिए जब घर में मौजूद दो छोटे बच्चे आए तो उन्हें भी धक्का दे दिया। पति ने बच्चों के सामने ही पत्नी को बेरहमी से डंडे से पीटा। हमले में कुसुम गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद उसे पास के सीएचसी में लेकर गए। वहां पर जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

स्कूल चलो अभियानः दुगार्पुर में निकली जागरूकता रैली

शिक्षक घर-घर जाकर बच्चों के दाखिले के लिए कर रहे जागरूक

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। नवाबगंज विकासखंड क्षेत्र स्थित प्राथमिक विद्यालय दुगार्पुर में गुरुवार को 'स्कूल चलो अभियान' के तहत एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और छात्र-छात्राओं ने मिलकर पूरे गांव में भ्रमण किया। इस जागरूकता रैली का मुख्य उद्देश्य विद्यालय में अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करना व पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों को फिर से स्कूल से जोड़ना है। रैली में सभी बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर

ग्रामीणों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया। 'हर बच्चा स्कूल जाएगा' और 'कोई न छूटे अबकी बार शिक्षा है सबका अधिकार' जैसे स्लोगन से गांव का माहौल गूंज उठा। प्रधानाध्यापक सत्यभानु ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों कों नियमित रूप से स्कूल भेजें। जिससे कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। इस मौके पर शिक्षक विनोद गिरि, पवन गुप्ता, नेहा त्रिपाठी आदि उपस्थिति रहे।

युवक की गला घोंटकर हत्या

पेड़ पर लटकाकर आत्महत्या दिखाने की कोशिश, प्रेम-प्रसंग में पति-पत्नी समेत 5 गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , युवक की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पहले इसे आत्महत्या माना जा रहा था। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या की पुष्टि होने के बाद हड़कंप मच गया। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शनिवार शाम प्रदीप वर्मा का शव पेड़ से लटका मिला था। शुरूआती तौर पर ग्रामीण इसे आत्महत्या मान रहे थे, लेकिन जांच में मामला हत्या का निकला। पुलिस ने इस मामले में पिता, पत्नी और दो बेटियों समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला प्रतापगढ़ के लीलापुर थाना क्षेत्र के बोझी गांव का है। गला घोंटकर शव को लटकाया पुलिस के अनुसार, प्रदीप की पहले गला दबाकर हत्या की गई। इसके बाद साक्ष्य छिपाने के लिए शव को पेड़ पर लटका दिया गया, ताकि मामला आत्महत्या का लगे। जांच में सामने आया कि मृतक और आरोपी पक्ष की लड़की के बीच पिछले करीब तीन साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। करीब चार महीने पहले लड़की के परिजनों ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया था, जिसके बाद से विवाद बढ़ गया था। पिता, पत्नी समेत 5 आरोपी गिरफ्तार मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने रमाकांत यादव, उनकी पत्नी इंद्रावती यादव, बेटियां रागिनी यादव और रेनू यादव तथा गांव के समरजीत के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने सभी पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अंतिम संस्कार से किया इनकार घटना के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया और आर्थिक सहायता व शस्त्र लाइसेंस की मांग पर अड़ गए। पुलिस और प्रशासन के आश्वासन के बाद परिजन मान गए।

संक्षेप

लुहारी गांव के ग्रामीणों ने पक्के नाले की मांग की

जलभराव से परेशान होकर कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बागपत , कलेक्ट्रेट में लुहारी गांव के ग्रामीणों ने पक्के नाले के निर्माण की मांग को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण उन्हें लंबे समय से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब पूरे गांव में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। गंदा पानी सड़कों और गलियों में भर जाता है, जिससे आवागमन बाधित होता है और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष रूप से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार लोग फिसलकर गिर जाते हैं, जिससे चोटिल होने की घटनाएं भी सामने आती रहती हैं। ग्रामीणों ने बताया कि वे इस समस्या को लेकर पहले भी कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका है। इससे लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी भी देखी जा रही है। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द पक्का नाला निर्माण कराने की मांग की है, ताकि जल निकासी की समुचित व्यवस्था हो सके और गांव को इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लिया। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि समस्या का जल्द समाधान कराया जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र कार्यवाही की उम्मीद जताई है।

वेतन वृद्धि मांगने पर फैक्ट्री से निकाली गईं महिलाएं

किसान नेता संग डीएम कार्यालय पहुंचीं, मालिक पर कार्रवाई की मांग

बागपत , औद्योगिक क्षेत्र में बैग बनाने वाली एक फैक्ट्री से नौकरी से निकाली गईं महिलाओं ने किसान यूनियन के पदाधिकारियों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। महिलाओं का आरोप है कि वेतन वृद्धि की मांग करने पर उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया और मानसिक उत्पीड़न भी किया जा रहा है।महिलाओं ने बताया कि वे पिछले एक वर्ष से फैक्ट्री में काम कर रही थीं। जब उन्होंने फैक्ट्री मालिक से वेतन बढ़ाने की बात की, तो तीन महिलाओं को तुरंत नौकरी से निकाल दिया गया। उन्होंने मालिक पर मानसिक उत्पीड़न का भी आरोप लगाया है।

नीले ड्रम वाली कातिल मुस्कान-साहिल को जल्द मिलेगी सजा

मेरठ कोर्ट में सौरभ के दोस्त ने आखिरी गवाही दी, बड़ा खुलासा किया

मेरठ , चर्चित सौरभ हत्याकांड में मंगलवार को आखिरी गवाह संजीव पाल ने गवाही दी। संजीव, सौरभ के बचपन का दोस्त है। उसने आखिरी बार सौरभ के मोबाइल पर कॉल किया था। संजीव ने कोर्ट को बताया- मैंने सौरभ को कई बार कॉल किया। बहुत देर बाद मुस्कान ने फोन रिसीव किया था। फोन उठाते ही वह मुझे डांटने लगी। मुझे गालियां भी दीं। मुझसे कहने लगी कि तुम्हें दिख नहीं रहा है कि हम बाहर घूमने मनाली आए हैं। तुम हमें बार-बार कॉल करके परेशान कर रहे हो। हत्याकांड में सभी 22 गवाहों की गवाहियां पूरी हो चुकी हैं।

टीवी अस्पताल में नवीन भवन का किया गया भव्य लोकार्पण

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के साथ साध्वी निरंजन ज्योति सूर्य प्रताप शाही रहे मौजूद

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद में रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा आयोजित टीवी अस्पताल प्रांगण अंतर्गत भव्य लोकार्पण एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया समिति के अध्यक्ष डॉ अनुराग श्रीवास्तव द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक पिछड़ा वर्ग राष्ट्रीय अध्यक्षा साध्वी निरंजन ज्योति एवं कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही द्वारा नवीन भवन का भव्य लोकार्पण संपन्न किया गया कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि का आयोजक अनुराग श्रीवास्तव समेत जनपद के जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारीयों ने भव्य स्वागत किया वही कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्षता साध्वी निरंजन ज्योति का भी भव्य स्वागत किया गया कार्यक्रम अंतर्गत अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री ने मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के पद चिन्हों पर चलने के लिए आम जनमानस को प्रेरणा दी वहीं परिवारवाद तथा जातिवाद का नारा देने वाले समाजवादी पार्टी को बताते हुए गहरा तंज कसा जानकारी लेने पर उपमुख्यमंत्री ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं वहीं विधानसभा से पूर्व , पूर्व काल से निश्चित तय समय पर ही पंचायत चुनाव संपन्न होंगे अन्य अफवाहों पर आम जनमानस ना जाए इस मौके पर प्रदेश महामंत्री विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश जिला पंचायत अध्यक्ष अभय प्रताप सिंह भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अन्नू श्रीवास्तव जहानाबाद विधायक राजेंद्र पटेल पूर्व विधायक विक्रम सिंह विधायका कृष्णा पासवान पूर्व विधायक आदित्य पाण्डेय अरुण सिंह अमरनाथ मिश्रा रामानंद कटियार तथा भिटौरा ब्लाक प्रमुख अमित तिवारी समेत भारी संख्या में जनपद के समाजसेवी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे आए हुए सभी अतिथियों का कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक डॉ अनुराग श्रीवास्तव ने सादर आभार व्यक्त किया

भाजपा जिला उपाध्यक्षा रेखा मिश्रा ने आरोपों को बताया निराधार

पति अवधेश मिश्रा ने प्रेस वार्ता करते हुए बताया लोगों द्वारा किया जा रहा छवि धूमिल करने का प्रयास

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद की भारतीय जनता पार्टी की जिला उपाध्यक्षा रेखा मिश्रा एवं उनके पति समाज सेवी अवधेश मिश्रा के ऊपर हाल ही में कानपुर नगर के कोहना थाना अंतर्गत ठगी का आरोप लगाते हुए बिहार राज्य के मूल निवासी नारायण प्रसाद सुल्तानिया ने लिखित प्रार्थना पत्र दिया जिसे स्वीकार करते हुए थाना प्रभारी ने अवधेश मिश्रा तथा पत्नी रेखा मिश्रा के ऊपर धारा 420 504 506 के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए जांच प्रारंभ की यह सूचना जैसे ही जनपद में सोशल मीडिया के माध्यम से फैली तो जगह-जगह चर्चा का विषय बन गया वही जानकारी मिलते ही भाजपा उपाध्यक्षा रेखा मिश्रा ने जनपद में प्रेस वार्ता आयोजित की जहां वार्ता करते हुए उन्होंने मीडिया के सामने कई साक्ष्य प्रस्तुत किया तथा पति अवधेश मिश्रा ने पीड़ित नारायण प्रसाद सुल्तानिया से वर्ष 2018 से अनवरत घरेलू संबंध बताएं पति अवधेश मिश्रा ने बताया कि उनका करोड़ों का लेनदेन निरंतर होता रहता था इसके बाद भी अचानक ऐसी स्थिति आ जाना एक असमंजस प्रकट करती है वार्ता करते हुए रेखा मिश्रा ने बताया कि 67 लाख रुपए का लेनदेन मोरम कारोबार का था जो किसी अन्य व्यक्ति के खाते में नारायण प्रसाद सुल्तानिया द्वारा भेजे गए थे कार्य पूरा न होने पर पूरा धन पीड़ित के खाते में उक्त व्यक्ति द्वारा भेज दिया गया था वहीं जमीन को लेकर मीडिया से रूबरू होते हुए अवधेश मिश्रा ने रजिस्ट्री के कागज दिखाएं जहां जमीन की रजिस्ट्री में अवधेश मिश्रा तथा नारायण प्रसाद सुल्तानिया दोनों की फोटो तथा सिग्नेचर आदि मौजूद मिले प्रेसवार्ता में मौजूद भाजपा उपाध्यक्षा रेखा मिश्रा तथा पति अवधेश मिश्रा ने बताया कि इसमें मामले में क्षेत्राधिकारी का पैरोकार समेत कई अन्य संलिप्त है यह प्रशासन के जांच का विषय है जिसके लिए प्रशासन निष्पक्ष जांच करते हुए अपराधी को दंडित करें दोनों पक्षों की अपनी-अपनी बात है मामला विवेचना पर आधारित है पूरी जांच हो जाने के बाद ही अंतिम निर्णय सामने आएगा

प्रसव उपरांत महिला की मौत अस्पताल में मचा हंगामा

अमन लेखनी समाचार

विजयीपुर, फतेहपुर। जनपद के विजयीपुर विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत गांव सिलमी निवासी 33 वर्षीय प्रसूता संगीता पत्नी शिवबाबू गौतम की प्रसव होने के उपरांत मौत हो गई मिली जानकारी के अनुसार बिगत दिवस बुधवार से प्रसव पीड़ा ग्रसित होकर पीड़िता नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र विजयीपुर भर्ती हुई जहां एक बच्चे का जन्म हुआ परिजनों के अनुसार प्रसव के कुछ समय उपरांत प्रसूता संगीता की तबीयत बिगड़ गई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद कर्मचारी चिकित्सकों ने स्थिति गंभीर देखते हुए प्रसूता को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरदों रिफर कर दिया जहां पहुंचने के पश्चात चिकित्सकों ने परीक्षण किया और संगीता को मृत घोषित कर दिया यह जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया वहीं परिजनों ने अस्पताल कि कर्मचारियों के ऊपर आरोप लगाया जानकारी लेने पर चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर बृजेश पांडेय ने बताया कि महिला संगीता को प्रसव हेतु भर्ती किया गया था वही हालत अचानक बिगड़ने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया अस्पताल पहुंचने से पहले बीच रास्ते में ही महिला की सांसे थम गई

सीलिंग कार्रवाई के कारण खाली हुए बैंकों के लॉकर

शास्त्रीनगर में खाते बंद कराने और लॉकर खाली कराने पहुंच रहे ग्राहक

अमन लेखनी समाचार

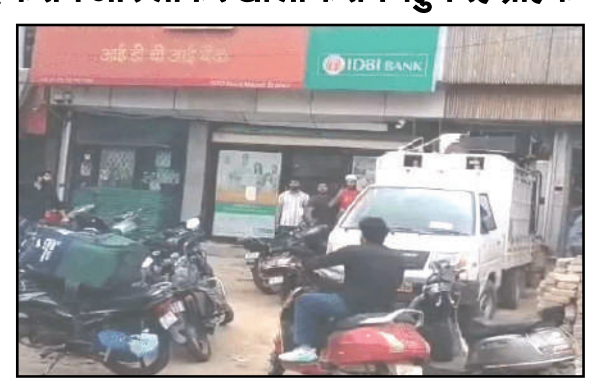

मेरठ , सेंट्रल मार्केट में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए 44 संपत्तियों को सील करने के आदेश के बाद से चारों तरफ हड़कंप मचा हुआ है। व्यापारी जहां अपने प्रतिष्ठानों को बचाने के लिए प्रशासन से अपील करते हुए विरोध कर रहे हैं तो वहीं डॉक्टर बी अस्पताल बंद कर चुके हैं। इसी क्रम में शास्त्रीनगर के आसपास के क्षेत्र में जो बैंक की सीलिंग कार्रवाई की चपेट में आ रहे हैं उनके ग्राहक भी सुबह से ही बैंकों में पहुंच गए, कोई अपना लॉकर में रखा सामान निकालना चाहता है तो कोई अपना खाता बंद करने पहुंच रहा है। कई बैंक आए चपेट में शास्त्री नगर स्थित पंजाब नेशनल बैंक, आईडीबीआई बैंक और कुछ अन्य प्राइवेट बैंक भी जहां संचालित हो रहे हैं वह आवासीय भूमि है, जिसको सुप्रीम कोर्ट ने सील करने का आदेश दिया है। इसके चलते ग्राहक सुबह से ही बैंक में पहुंच रहे हैं। जिस कारण बैंक का स्टाफ भी परेशान है वहीं बैंक के मैनेजर लोगों से अपील कर रहे हैं कि अगर बैंक शिफ्ट भी होता है तब भी आपका खाता और आपका लाकर सुरक्षित रख रहेगा लेकिन फिर भी लोगों में इसको लेकर भी एक परेशानी है। लिखित आदेश तक रुकी सीलिंग सुप्रीम कोर्ट में जो निर्णय कल सुनाया था उसका अभी तक कोई लिखित आदेश नहीं मिला है। इसलिए व्यापारियों द्वारा अभी तक आवास विकास के अधिकारियों को सीलिंग की कार्रवाई करने से रोका जा रहा है। उनका कहना है कि जब तक कोई लिखित आदेश कोर्ट द्वारा इस संबंध में नहीं आता है वह इस कार्रवाई को नहीं होने देंगे। इसके लिए व्यापारियों ने सुबह से ही मार्केट में एकत्रित होकर एक बैठक भी की जिसमें विपक्ष के कुछ जनप्रतिनिधि भी पहुंचे। बंदी की भी घोषणा सेंट्रल मार्केट की इस कार्रवाई के विरोध में मेरठ के संयुक्त व्यापार संघ में भी प्रतिभाग किया है। व्यापार संघ के अध्यक्ष द्वारा आगामी 9 अप्रैल को सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद करने की घोषणा की गई है ।

25 हजार रुपए का इनामिया बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के तेज तर्रार पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के कुशल दिशा निर्देशन पर पुलिस प्रशासन ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित 25 000 रुपए के इनामी बदमाश जीशान खान को गिरफ्तार किया थरियांव थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह अपने पुलिस बल के साथ पूर्वी बाईपास पर वाहन चेकिंग अभियान में जुटे थे वही मुखबिर की सूचना पर मुख्य मार्ग से निकलते अभियुक्त जीशान खान पुत्र इब्राहिम का पीछा किया जहां जानकारी मिलते ही अभियुक्त झाड़ियों में छुप गया वही अपने बचाव के लिए तमंचे से फायरिंग शुरू कर दी दोनों तरफ से जवाबी फायरिंग हुई तथा प्रशासन ने अभियुक्त जीशान खान के बाएं पैर में गोली मारकर घायल कर दिया वहीं गोली लगते ही अभियुक्त गिर गया जिसे गिरफ्तार करते हुए उपचार हेतु प्रशासन द्वारा जिला अस्पताल भेजा गया वहीं 24 वर्षीय अभियुक्त जीशान खान पुत्र इब्राहिम निवासी गांव अमांव थाना खागा के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अभियुक्त के ऊपर पूर्व काल से लगभग एक दर्जन मुकदमे पंजीकृत है

16वीं मंजिल से कूदकर युवती ने किया सुसाइड

यूपी पुलिस की तैयारी कर रही थी, परिजन बोले- बेटी को किसी ने धक्का दिया

अमन लेखनी समाचार

संध्या, मृतक

गाजियाबाद , करीब 6:10 बजे एक युवती ने 16वीं मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया। घटना के समय युवती अर्धनग्न अवस्था में थी। जैसे ही वह नीचे गिरी, सोसाइटी में हड़कंप मच गया और आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। युवती संध्या (18) यूपी पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही थी। उसके पिता इसी सोसाइटी में कपड़े प्रेस करने का काम करते हैं। जिसके चलते उसका यहां आना-जाना लगा रहता था। परिजनों ने आरोप लगाया कि संध्या को किसी ने 16वीं मंजिल से धक्का दिया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। घटना इंद्रापुरम थाना क्षेत्र स्थित जयपुरिया सनराइज ग्रीन सोसाइटी की है।घर से दौड़ने निकली थी, सोसाइटी में मिली लाशसंध्या हरदोई जिले के रहने वाले सुखदेव कनोजिया की बेटी थी। सुखदेव पिछले करीब 30 साल से अपने परिवार के साथ गाजियाबाद के कनावनी गांव में रह रहे हैं। वह जयपुरिया सनराइज ग्रीन सोसाइटी में कपड़ों पर प्रेस का काम करते हैं। उनके तीन बेटियां हैं। संध्या रोज सुबह दौड़ने जाती थी। सुबह भी वह घर से दौड़ने के लिए निकली थी। इसी दौरान वह सोसाइटी पहुंची और वहां बिल्डिंग की 16वीं मंजिल के सी ब्लॉक से अर्धनग्न अवस्था में कूद गई। उस समय उसके शरीर पर पूरे कपड़े नहीं थे। पुलिस के मुताबिक, सोसाइटी के सीसीटीवी फुटेज में युवती लिफ्ट में अकेले जाती हुई दिखाई दे रही है। वहीं, 16वीं मंजिल पर भी वह लिफ्ट से अकेले बाहर निकलती नजर आई है।

मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, घटना की वजह अभी साफ नहीं हो सकी है।पिता बोले- मेरी बेटी कूद नहीं सकती

मृतका के पिता सुखदेव कनोजिया ने कहा- मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि मेरी बेटी ने आत्महत्या की है। इस पूरे मामले में मुझे साजिश लग रही है। किसी ने उसे लिफ्ट से ऊपर बुलाया होगा और फिर जानबूझकर धक्का दिया होगा। उन्होंने पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

सेंट्रल मार्केट में व्यापारियों का छाती पीट-पीटकर प्रदर्शन

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 44 संपत्तियां सील होंगी, स्कूल और अस्पताल भी शामिल

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सेंट्रल मार्केट में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के विरोध में व्यापारी सड़क पर उतर आए। उन्होंने जोरदार प्रदर्शन किया। कुछ व्यापारियों ने छाती पीट-पीटकर अपना विरोध जताया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 80 भूखंड मालिकों के खिलाफ आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा- आवासीय प्लॉट पर चल रही कमर्शियल एक्टिविटी को हटाया जाए। इस पर आवास विकास से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई थी, लेकिन अधिकारी समय पर रिपोर्ट नहीं दे सके। इसके बाद 6 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई। कोर्ट ने पूर्व कमिश्नर ऋषिकेश भास्कर यशोद से जवाब मांगा। 24 घंटे के अंदर 44 संपत्तियों को सील करने का आदेश दिया। मंगलवार को प्रशासन ने 44 संपत्तियों को सील करने की कार्रवाई शुरू कर दी। इनमें आवासीय प्लॉट पर चल रहे स्कूल, बैंक और नर्सिंग होम भी शामिल हैं। कार्रवाई के विरोध में सोमवार रात से ही सेंट्रल मार्केट और आसपास के इलाकों में हंगामा शुरू हो गया था। देर रात से मार्केट में पुलिस बल तैनात है। 27 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने मेरठ के 80 भूखंड मालिकों को बड़ा झटका दिया। कोर्ट ने आवासीय प्लॉट पर चल रही कमर्शियल गतिविधियां बंद करने का आदेश दिया और आवास विकास से विस्तृत रिपोर्ट मांगी। हालांकि, तय समय सीमा के भीतर यह रिपोर्ट दाखिल नहीं हो सकी इस बीच व्यापारियों ने अनिश्चितकालीन धरने का ऐलान कर दिया। स्थिति को संभालने के लिए आवास विकास ने समाधान पेश किया। भूखंड मालिकों को नोटिस देकर कहा गया कि वे शुल्क जमा कर अपने प्लॉट को आवासीय से कमर्शियल में बदल सकते हैं। इसके लिए 36 हजार रुपए प्रति वर्ग मीटर की दर तय की गई। साथ ही सेटबैक नियम के तहत दुकानों को पीछे करना भी जरूरी था। कई व्यापारियों ने इस प्रस्ताव को स्वीकार किया और नियमों के अनुसार बदलाव भी शुरू कर दिए।

टेंट गोदाम में लगी आग

फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने डेढ़ घंटे में पाया काबू, सामान जलकर राख

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , सेक्टर-70 स्थित बीएच-11 बैंक्वेट हॉल के परिसर में सोमवार देर रात टेंट के गोदाम में आग लग गई। आग लगने से वहां रखा टेंट का सामान जल गया। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकल की तीन गाड़ियों ने डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, घटना देर रात की है, जब बैंक्वेट हॉल के प्रांगण में बने अस्थायी गोदाम में अचानक आग भड़क उठी। आग तेजी से फैलती देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, जिसके बाद दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग को बुझाया।गनीमत रही कि हादसे के समय गोदाम में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, आग में टेंट से जुड़ा काफी सामान जल गया, जिससे आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप चौबे ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। मामले की जांच की जा रही है।

दादरी दुर्गा मंदिर से चांदी का छत्र चोरी

सुबह में पुजारी के पहुंचने पर पता चला, पुलिस बदमाशों की कर रही तलाश

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा के दादरी में चोरों ने एक दुर्गा मंदिर को निशाना बनाया है। दादरी थाना क्षेत्र के बिसाहड़ा रोड स्थित दुर्गा मंदिर से देर रात चोरों ने माता की मूर्ति पर लगा चांदी का छत्र और सोने के जेवरात चोरी कर लिए। चोरी की यह पूरी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जानकारी के मुताबिक, चोरों ने देर रात मंदिर में सेंध लगाई। वे मंदिर से लगभग 3 किलोग्राम से अधिक वजन का चांदी का छत्र और सोने की नथ चोरी कर फरार हो गए। सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि एक चोर मंदिर के अंदर घुसकर दुर्गा मां की मूर्ति से छत्र उतारकर अपने बैग में रख रहा है।इस चोरी की घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। चोरी का पता तब चला जब सुबह मंदिर के पुजारी ने पूजा के लिए मंदिर खोला। उन्होंने देखा कि माता के श्रृंगार का सामान और चांदी का छत्र गायब था। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें चोरी की पूरी वारदात कैद मिली। इस संबंध में दादरी पुलिस को शिकायत दी गई है। दादरी पुलिस ने बताया कि उन्हें मंदिर में चोरी की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया जा रहा है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से चोरों की तलाश में जुट गई है और जल्द ही चोरी का खुलासा करने का दावा कर रही है। यह उल्लेखनीय है कि दादरी में पहले भी मंदिरों में चोरी की वारदातें हुई हैं। पूर्व में नकाबपोश चोरों ने एक मंदिर में चोरी की थी, जिसकी घटना भी सीसीटीवी में कैद हुई थी। उस मामले में बुलंदशहर पुलिस ने चोरों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया था।

बुजुर्ग को गोली मारने वाला गिरफ्तार

रंजिश में की थी वारदात, मुठभेड़ में पैर में लगी गोली

अमन लेखनी समाचार

ग्रेटर नोएडा , दनकौर कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने एक बुजुर्ग को गोली मारने के मुख्य आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। देर रात हुई इस मुठभेड़ में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह घटना अट्टा फतेहपुर गांव में पुरानी रंजिश के चलते हुई थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान कायदे आजम के रूप में हुई है। उसने सुबह अपने पड़ोसी बुजुर्ग कासिम को उस समय गोली मार दी थी, जब कासिम खेत पर काम कर रहे थे। घायल कासिम का ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस घटना के बाद पीड़ित पक्ष की शिकायत पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने सोमवार देर रात यमुना एक्सप्रेसवे के सर्विस रोड पर मुख्य आरोपी कायदे आजम को मुठभेड़ के दौरान पकड़ा। उसके पास से एक तमंचा, तीन कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि मामले के अन्य आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

नियमों की खुली अनदेखी

शाहाबाद ब्लॉक में भ्रष्टाचार का संगठित खेल

ग्रामीणों ने की एफआईआर कराकर जेल भेजने की मांग

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई) 8 अप्रैल। उत्तर प्रदेश पंचायती राज वित्तीय एवं लेखा नियमावली, 2016 के अनुसार ग्राम निधि का संचालन केवल अधिकृत पंचायत खाते से होना चाहिए। इसके बावजूद निजी खातों में धन भेजा जाना सरकारी धन के दुरुपयोग और बंदरबांट का सीधा संकेत है।

बीडीओ और एडीओ की भूमिका संदिग्ध

स्तर पर विकास कार्यों और वित्तीय निगरानी की जिम्मेदारी खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) की होती है।ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या बीडीओ को इन भुगतानों की जानकारी नहीं थी, या फिर यह सब उनकी जानकारी में ही हुआ? इसी तरह एडीओ की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है, क्योंकि बाउचर पास होने और भुगतान प्रक्रिया में उनकी निगरानी अहम होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी बड़ी राशि का निजी खातों में ट्रांसफर होना बिना ब्लॉक स्तर की जानकारी या मिलीभगत के संभव नहीं है। इससे यह मामला केवल ग्राम स्तर तक सीमित न होकर संगठित भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है।

विभागीय जांच या लीपापोती?

जिला पंचायत राज अधिकारी ने कहा है कि यदि शिकायत सही पाई जाती है तो यह गंभीर अनियमितता है और जांच कराकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही एडीओ और बीडीओ समेत सभी संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। ग्रामीणों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कराने, स्थानीय कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराने और प्रधान, सचिव सहित सभी संलिप्त अधिकारियों को जेल भेजने की मांग की है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या कार्रवाई वास्तव में होगी या मामला दबा दिया जाएगा। यदि निष्पक्ष जांच हुई, तो यह मामला पूरे शाहाबाद ब्लॉक में फैले बड़े घोटाले का खुलासा कर सकता है।

शाहाबाद (हरदोई)। ग्राम पंचायत ऐगवां में विकास कार्यों के नाम पर हुए वित्तीय गड़बड़ी के मामले ने पूरे ब्लॉक प्रशासन को ही नहीं बल्कि सिस्टम को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है। आरोप है कि प्रधान और पंचायत सचिव ने ग्राम निधि की धनराशि को नियमों के विरुद्ध निजी खातों में ट्रांसफर कर दिया। मामले में सामने आया है कि नाली निर्माण, गौशाला, चरनी, भूसा शेड और केयरटेकर रूम जैसे कार्यों के नाम पर 17,024, 19,660, 19,456, 6,558, 52,908, 46,474 और 26,614 रुपये समेत कई भुगतान सीधे प्रधान के निजी खाते में भेजे गए। इसके अलावा प्रशासनिक मद में 35,200 रुपये प्रधान और 35,200 रुपये एक अन्य व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर किए गए, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

घोरावल की साइबर टीम द्वारा फ्रॉड की धनराशि 19,000/- करायी गयी वापस

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। अवगत कराना है कि आवेदक शिवम पाण्डेय पुत्र बृजेश कुमार पाण्डेय निवासी ग्राम बेलवनिया थाना घोरावल जनपद सोनभद्र के साथ दिनांक 19.11.2025 को 19,000/- का साइबर फ्रॉड हो गया था, जिसके संबंध में आवेदक द्वारा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे साइबर अपराध नियंत्रण अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक घोरावल बृजेश सिंह के नेतृत्व में थाना घोरावल की साइबर टीम द्वारा ठउफढ पोर्टल का अवलोकन करते हुए संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्यवाही की गई। तत्पश्चात दिनांक 07.04.2026 को आवेदक की संपूर्ण धनराशि 19,000/- सफलतापूर्वक वापस कराई गई। आवेदक द्वारा उ0प्र0 पुलिस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए साइबर टीम की सराहना की गई।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव को लेकर समीक्षा बैठक, सौंपी गई जिम्मेदारियां

शोभायात्रा व अन्य कार्यक्रमों की रूपरेखा को दिया गया अंतिम रूप

अमन लेखनी समाचार

गुरसरांय (झांसी)। नगर के परशुराम मंदिर में बुधवार को ब्राह्मण समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक मेजर अखिलेश पिपरैया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी 19 अप्रैल (रविवार) को आयोजित होने वाले भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव एवं भव्य शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई तथा पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक की शुरूआत भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। इसके बाद शोभायात्रा के मार्ग का निर्धारण किया गया तथा आयोजन को भव्य एवं व्यवस्थित बनाने के लिए विस्तार से चर्चा हुई। आयोजन समिति द्वारा शोभायात्रा को आकर्षक और अनुशासित स्वरूप देने पर विशेष जोर दिया गया। निर्णय लिया गया कि शोभायात्रा में भगवान परशुराम की मनमोहक झांकियां, बैंड-बाजे, पारंपरिक वेशभूषा में शामिल श्रद्धालु तथा धार्मिक ध्वज प्रमुख आकर्षण रहेंगे। साथ ही अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने पर भी सहमति बनी। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक ही नहीं बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को सुदृढ़ करने का भी माध्यम है। सभी उपस्थित जनों ने मिलकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक और सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में पं. अनुज द्विवेदी नागर ने सभी का आभार व्यक्त किया, जबकि संचालन पं. सार्थक नायक द्वारा किया गया। इस अवसर पर पं. रामनारायण पस्तोर, बद्री प्रसाद त्रिपाठी, रामप्रकाश अडजरिया, संदीप कोठारी, अशोक मिश्रा, ऋषभ वशिष्ठ, रमेश कुमार पटेरिया, अश्विनी पस्तोर, रासबिहारी तिवारी, अनिल पंडा महाराज, पवन स्वामी, जे.जे. मिश्रा, स्वदेश पाठक, रामजी विदुआ, अशोक पटेरिया, मुकेश शर्मा, गुल्लन महाराज, भुवनेंद्र अरजरिया, मोनू मिश्रा, लक्ष्मी नारायण पाठक सहित ब्राह्मण समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

खास समाचार

खड़ैनी में घर में घुसा 6 फीट लंबा सर्प, वन विभाग की टीम ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

अमन लेखनी समाचार

बामौर। बामौर ब्लॉक के ग्राम खड़ैनी में गुरुवार को एक व्यक्ति के घर में अचानक सर्प दिखाई देने से हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार गांव निवासी सत्यवीर पटेल के घर में करीब पांच से छह फीट लंबा सर्प निकल आया, जिससे परिजनों में दहशत फैल गई। घटना की सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही बामौर रेंज के वन क्षेत्राधिकारी अवधेश प्रताप सिंह बुंदेला ने रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजा। टीम ने मौके पर पहुंचकर सावधानीपूर्वक सर्प का रेस्क्यू किया और उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। रेस्क्यू टीम इंचार्ज मयंक ठाकुर ने बताया कि पकड़ा गया सर्प रेड स्नैक (धामन) था, जो सामान्यतः विषहीन होता है। सर्प के सुरक्षित पकड़ लिए जाने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली। रेस्क्यू टीम में मयंक ठाकुर, मोनू पाठक, रविशंकर और केशव चौधरी शामिल रहे।

ओला और बरसात से फसल चौपट, रोने लगा किसान

अमन लेखनी समाचार

माधौगंज, हरदोई। बुधवार की शाम को आए आंधी पानी के साथ ओले ने फसल को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा। मक्का की फसल पूरी तरह नष्ट हो गईं। गेहूं की तैयार फसल में पानी भर गया है। जिससे किसान अपनी फसल के नुकसान को लेकर चिंतित है। बुधवार की शाम तेज हवा के साथ मूसलाधार बरसात व ओलो से काजीपुर, फत्तेपुर, नई बस्ती, तपनौर, इस्लामपुर जगाई, हसनपुर ज्योली, जेहदीपुर, सरायऊद, शाहपुर वसुदेव, गौरा आदि दर्जनों गांव के किसान राधे, सैयद, जलालुद्दीन, मोहम्मद मेराज, इसरत अली, उमेश कुशवाहा, नरेंद्र यादव, अवनीश गौतम, मानसिंह, मुन्ना सिंह, वसीकुन की फसल को नुकसान हुआ। किसानों का कहना है कि गेहूं की फसल खड़ी है वह घर को नहीं आ पा रही वही जो कटी पड़ी फसल सूख नहीं रही जिससे गेहूं काला पड़ जा रहा है वही मक्के की फसल भी ओले गिरने से मक्के की फसल चौपट हो गई है। आम के पेड़ो में आई फसल पूरी तरह ओलो से चौपट हो गईं है।

घर के कमरे में फांसी लगाकर युवक ने दी जान

अमन लेखनी समाचार

कछौना। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम सैदूपुर में एक युवक ने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची कछौना कोतवाली पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। गुरुवार को ग्राम सैदूपुर निवासी पुत्तुलाल के बेटे सोनू उम्र (26) ने अज्ञात कारणों के चलते घर के एक कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों को जब इसकी भनक लगी तो घर मे कोहराम मच गया। रोते बिलखते परिजनों ने स्थानीय कोतवाली पर इस मामले की सूचना दी। इस सूचना पर पहुंची कोतवाली कछौना पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में थानाध्यक्ष अमित सिंह ने बताया अज्ञात कारणों के चलते युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

डीएवी के विद्यार्थियों को अग्नि शमन प्रशिक्षण

अमन लेखनी समाचार

बीजपुर (सोनभद्र) डीएवी पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी, रिहंदनगर में सीआईएसएफ अग्नि शमन विभाग के उपनिरीक्षक फायर परमजीत सिंह, हेड कांस्टेबल फायर अशोक कुमार, कांस्टेबल फायर के सी बेहरा एवं कांस्टेबल डीसीपीओ भूप सिंह ने विद्यार्थियों को अग्नि शमन सुरक्षा के विभिन्न आयामों के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों ने अग्नि शमन के विभिन्न उपकरणों को चलाने का व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त किया। फायर इंस्टिंग्यूश के संचालन में छात्रों के साथ-साथ छात्राओं ने भी भाग लिया। विद्यालय के प्राचार्य श्री राजकुमार ने विद्यार्थियों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से स्वयं फायर इंस्टिंग्यूश से जलती अग्नि को बुझाने का काम किया। उपनिरीक्षक परमजीत सिंह ने फायर के चार प्रकार ए,बी,सी एवं डी को बुझाने के लिए विभिन्न प्रकार के उपकरणों के इस्तेमाल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा घास-फूस में आग लगने पर पानी वाले उपकरण का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इसी तरह अन्य प्रकार की अग्नि को बुझाने के लिए दूसरे उपकरणों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। तत्पश्चात विभिन्न प्रकार के आग को बुझाने का तरीका बताया। उदाहरण स्वरुप खरपतवार, पेट्रोल, मिट्टी तेल, एलपीजी गैस, इलेक्ट्रिक आदि से लगने वाली आग को बुझाने के अलग-अलग तरीकों के अपनाने का व्यवहारिक ज्ञान दिया। इस प्रशिक्षण में एनसीसी कैडेट्स अंजली सिंह, खुशबू, अथर्व प्रताप सिंह, अभय मिश्रा, धुव्र वत्स के साथ प्रकृति श्रीवास्तव, रितांशु गुप्ता, मोहित, प्रतीक, आयुष सेठ, सूरज, लव कुमार, आशीष, ऋषि शर्मा, अदिति यादव, अल्फिया, खुशबू पाल, समृद्धि सिंह, मो०आबीर, अरशद रजा, नुमान अख्तर आदि विद्यार्थियों ने विशेष रूप से प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण में कक्षा तीसरी से बारहवीं तक के सभी विद्यार्थी शामिल रहे। अंत में प्राचार्य श्री राजकुमार ने सीआईएसएफ से आए सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ आर के झा के साथ पूरा विद्यालय परिवार इस कार्यक्रम में शामिल रहा।

फार्मर रजिस्ट्री कैम्प मे अनुपस्थित पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी कर्मचारी के विरूद्ध होगी कार्यवाही-जिलाधिकारी

फार्मर रजिस्ट्री के विशेष कैम्प में अनुपस्थित लेखपाल को जिलाधिकारी ने स्पष्टीकरण जारी करने के दिये निर्देश

फार्मर रजिस्ट्री न कराये जाने से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की अगली किस्त हो सकती है अवरूद्ध-जिलाधिकारी।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। फार्मर रजिस्ट्री हेतु कल ग्राम पंचायत परही में कैम्प का आयोजन किया गया था जिसमें उक्त कैम्प का निरीक्षण उप निदेशक कृषि द्वारा किया गया मैके पर परही ग्राम के लेखपाल कंचन मौर्या अनुपस्थित पायी गयी लेखपाल के अनुपस्थित पाये जाने के खबर को जिलाधिकारी ने संज्ञान में लेकर लेखपाल को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये और कहा कि फार्मर रजिस्ट्री कैम्प मे यदि कोई अधिकारी कर्मचारी अनुपस्थित पाया जाता है तो उसके विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी, यह शासन की शीर्ष प्राथमिकता वाली योजना है। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता व लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि मुख्यमंत्री जी के निर्देश के क्रम में जनपद के ग्राम पंचायतों में फार्मर रजिस्ट्री बनाये जाने हेतु विशेष शिविर ग्राम पंचायतों में आयोजित कर कृषकों को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ने हेतु कार्य किया जा रहा है यह अभियान जनपद में दिनांक 06.04.2026 से प्रारम्भ हुआ है जो दिनांक 15.04.2026 तक नामित ग्राम पंचाचत के सचिवालय में फार्मर रजिस्ट्री विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें कृषि विभाग के प्राविधिक सहायक/ए० टी०एम०/ बी०टी०एम०, राजस्व विभाग के क्षेत्रीय लेखपाल, पंचायती राज विभाग के पंचायत सहायक, पंचायत सचिव की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम पंचायतों में अवशेष कृषको की फार्मर रजिस्ट्री मिशन मोड में बनायी जा रही है, सम्बंधित ग्राम प्रधान तथा कोटेदार द्वारा अवशेष कृषकों को प्राथमिकता के आधार पर ग्राम सचिवालय में उपस्थिति सुनिश्चित करायी जा रही है जिससे अवशेष कृषकों का फार्मर रजिस्ट्री बनाया जा सकें। जिन कृषकों की खतौनी में नाम आधार से मिसमैच होने या आदेश कालम में होने से फार्मर रजिस्ट्री नहीं बन पा रही है उन कृषकों का नाम संशोधन हेतु अभिलेख क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा प्राप्त कर संशोधन की अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है, फार्मर रजिस्ट्री को कृषि क्षेत्र में एकीकृत लाभ वितरण प्रणाली के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे कृषक विभिन्न योजनाओं यथा-प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, फसली ऋण, गुणवत्ता पूर्ण बीज एवं उर्वरक, फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर विक्रय इत्यादि सहित अन्य योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त कर सकें। फार्मर रजिस्ट्री न कराये जाने से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की अगली किस्त अवरूद्ध हो सकती है।

हरदोई के सांडी थाने की पांचवी मंजिल पर बन्द किये गए 6 लोग,वीडियो वायरल

एएसपी बोले विभिन्न मामलो के आरोपी

अमन लेखनी समाचार

(हरदोई) ।उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्यप्रणाली अक्सर चर्चा में रहती है लेकिन हरदोई के सांडी थाने से जो मामला सामने आया है, उसने खाकी को एक बार फिर कठघरे में खड़ा कर दिया है। आरोप है कि यहाँ अपराधियों को सुधारने के लिए नहीं बल्कि अवैध तरीके से नई बिल्डिंग की पांचवी मंजिल पर बन्द कर रखा गया ।वीडियो वायरल होने के बाद हड़कम्प मच गया ।अब पुलिस के अधिकारी मामले में विधिक प्रक्रिया के तहत विभिन्न मामलो के आरोपी होने की बात कहकर विधिक कार्यवाई किये जाने की बात कह रहे है ।वायरल वीडियो को लेकर तमाम तरह की चचाओं का बाजार गर्म है। सांडी थाने की नई बिल्डिंग की पांचवी मंजिल में बन्द 6 लोगों का मामला तब गरमाया जब मुरौली कठेरियान,कोले और नोनखारा गांव के ग्रामीणों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। पीड़ितों का कहना है कि उन्हें थाने की आधिकारिक हवालात में रखने के बजाय पांचवी मंजिल के एक कमरे में बंद कर दिया गया। चौंकाने वाली बात यह है कि इस हवालात की भनक थाने के मुंशी तक को नहीं लगने दी गई। दो दिनों तक बिना दाने-पानी के रखे गए इन लोगों की निगरानी की जिम्मेदारी पुलिसकर्मियों के बजाय दो चौकीदारों के कंधों पर थी ।सवाल यह उठता है कि अगर हिरासत विधिक थी तो उसे सरकारी रजिस्टर जीडी में दर्ज क्यों नहीं किया गया और क्यों आरोपियों को छिपाकर पांचवी मंजिल पर रखा गया ।मामला तूल पकड़ते देख पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है ।एएसपी पूर्वी सुबोध कुमार गौतम ने मामले पर सफाई देते हुए कहा कि पकड़े गए लोग अलग-अलग मामलों में आरोपी हैं और उन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था। पुलिस इसे कानूनी प्रक्रिया बता रही है, लेकिन चौथी मंजिल के इस रहस्यमयी कमरे ने सांडी पुलिस की मंशा पर कई सवाल छोड़ दिए हैं।

दुकानों में लूटपाट व तोड़फोड़ करने वालों का सुराग नहीं तीन दिन में जाहिर हारिस पर दर्ज किए गए तीन मुकदमें

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद(हरदोई)। शाहाबाद नगर के मंडी क्षेत्र में 3 दिन पूर्व बेखौफ दबंगों ने सरेराह कानून की धज्जियां उड़ाते हुए दुकानों को अपना - निशाना बनाया। पत्थरबाजी, तोड़फोड़ और लूटपाट की इस सनसनीखेज वारदात ने स्थानीय व्यापारियों की नींद उड़ा दी है। ताज्जुब की बात यह है कि खाकी की नाक के नीचे हुए इस उपद्रव के तीन दिन बाद तक पुलिस जांच का हवाला देकर शांत बैठी रही। जिससे अब पुलिसिया कार्यशैली पर तीखे सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और पीड़ति दुकानदारों - की मानें तो मंजर किसी डरावनी फिल्म से कम नहीं था। दबंगों ने पूरी तैयारी के - साथ हमला बोला। दुकानों में घुसकर सामान इधर-उधर फेंक दिया गया। कीमती फर्नीचर तोड़ डाले गए और गल्ले में रखी नकदी पर हाथ साफ कर दिया गया। शोर-शराबा सुनकर जब तक लोग इकट्ठा होते, तब तक आरोपी बड़ी आसानी से सामान और नकदी समेटकर रफूचक्कर हो गए। वहीं नरूला खान पुत्र मोहम्मद हुसैन खान निवासी मोहल्ला इमाम चौक पाली ने आरोप जाहिर हारिस पर उसकी जमीन माता का तालाब को न बेचने पर मारपीट और जानलेवा धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसके अलावा शाहाबाद के मोहल्ला महमंद निवासी अशरफ अली पुत्र महबूब अली ने कोतवाली में आरोपी जाहिर हारिस पर उसके 11 लाख न देने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसी बीच एक महिला ने भी पुलिस के सामने आकर उक्त आरोपियों की पोल खोली है। महिला ने तहरीर देते हुए आरोप लगाया कि उक्त घटना के आरोपी जाहिर और हारिस ने उसका भी उत्पीड़न किया है। उसके बाबजूद आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर खुली हवा में घूम रहे हैं। मंडी क्षेत्र के व्यापारियों का कहना है कि पुलिस की ढिलाई ने अपराधियों के हौसले बुलंद कर दिए हैं। व्यापारियों ने दो टूक शब्दों में कहा: अगर मंडी जैसे व्यस्त इलाके में भी हम सुरक्षित नहीं हैं, तो फिर प्रशासन की मुस्तैदी के दावे खोखले हैं। मामले की गंभीरता को बढ़ता देख पुलिस अधिकारियों ने अब मोर्चा संभाला हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपियों के संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। साक्ष्यों और पीड़तिों के बयानों को आधार बनाकर कड़ी कार्रवाई की तैयारी है। जल्द ही नामजद आरोपी सलाखों के पीछे होंगे।

सांप-सीढ़ी खेल के जरिए दिए डायरिया से बचाव के संदेश

जरूरी सावधानी बरतें और छोटे बच्चों को डायरिया से बचाएं : डॉ शोभा सक्सेना

अमन लेखनी समाचार

फररुर्खाबाद, जिले में इस समय चलाये जा रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत मलेरिया, फाइलेरिया व अन्य मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के जरूरी संदेश जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही दस्त नियंत्रण के बारे में भी स्वास्थ्य कार्यकताओं द्वारा जनसमुदाय को जानकारी प्रदान की जा रही है इसी क्रम में गुरुवार को मोहल्ला चिलपुरा में नगरीय स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सा अधिकारी (मेडिकल ऑफिसर) डॉ. शोभा सक्सेना की अध्यक्षता में महिला आरोग्य समिति की बैठक हुई बैठक में उपस्थित लोगों को डायरिया रोकथाम, टीकाकरण, आयुष्मान योजना व अन्य स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी डॉ. शोभा ने सांप-सीढ़ी खेल के जरिये रोचक अंदाज में बताया कि छोटे बच्चों की समुचित देखभाल भी एक अद्भुत कला है, बच्चों की सही परवरिश और स्वास्थ्य का सही ख्याल न रखा जाए तो बच्चे डायरिया समेत कई बीमारियों के शिकार हो सकते हैं डायरिया से बचने के लिए हमें अपनी नजदीक की आशा कार्यकर्ता से संपर्क करना चाहिए उन्होंने कहा कि दिन भर में अगर बच्चे को दो या तीन से अधिक बार पानी जैसी पतली दस्त आए तो बच्चे को आशा कार्यकर्ता द्वारा दी जाने वाली जिंक की गोली और ओआरएस का सेवन बताई गयी मात्रा के अनुसार ही कराएं जिससे बच्चे के शरीर में पानी की कमी न होने पाए इस दौरान पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) से अनुपम मिश्र, एएनएम योगेंद्रवती, महिला आरोग्य समिति की अध्यक्ष उर्मिला, आशा प्रीति चौहान सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे

पंन्नुगंज की साइबर टीम द्वारा आवेदक का फ्राड हुई सम्पूर्ण धनराशि 20000/- रुपये उसके मूल खाते मे कराया गया वापस

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। अवगत कराना है कि आवेदक सूर्या प्रताप निवासी लखनवार कला थाना पंन्नुगंज जनपद सोनभद्र से साइबर फ्रॉड द्वारा 20,000 का फ्रॉड कर लिया गया था। जिस खाते में रुपए गए थे, उसकी जानकारी जरिये मेल जुटाकर आवेदक कि सपूर्ण धनराशि 20,000 रुपए वापस करायी गयी। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा साइबर अपराध एवं अपराधियों के विरुध्द चलाए जा रहे अभियान के क्रम मे एवं अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के निर्देशन मे व क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर के पर्यवेक्षण मे तथा प्रभारी निरीक्षक पंन्नुगंज कुमुद शेखर सिंह के कुशल नेतृत्व मे थाना पन्नुगंज की साइबर टीम द्वारा ठउफढ पोर्टल का अवलोकन करके आवेदक की फ्रॉड हुई धनराशि को सम्बन्धित खाते मे होल्ड कराया गया तथा ठउफढ पोर्टल से ट्रांजैक्शन से सम्बन्धित आवश्यक साक्ष्य एकत्रित कर सम्बन्धित बैंक को ईमेल/पत्राचार करके आवेदक की फ्राड हुई सम्पूर्ण धनराशि 20,000 रुपए आवेदक के मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराया गया। आवेदक द्वारा थाना पन्नुगंज की साइबर टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

अवैध धनराशि वसूली की शिकायत पर सभासदों पर होगी कार्रवाई : उपजिलाधिकारी

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई)। तहसील सभागार में एसडीएम द्वारा नगर पालिका परिषद के सभासदों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उनके त्वरित समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित शिकायतें भी संज्ञान में आईं, जिनमें यह आरोप लगाया गया कि कुछ सभासदों द्वारा लाभार्थियों को योजना का लाभ तथा द्वितीय किश्त दिलाने के नाम पर अवैध धनराशि की मांग की जा रही है। इस पर एसडीएम ने गम्भीर संज्ञान लेते हुए कड़ी नाराजगी व्यक्त की। एसडीएम ने सभी सभासदों को निर्देशित किया कि वह अपने. अपने वार्डों में जनता को जागरूक करें कि प्रधानमंत्री आवास योजना पूर्णतः पारदर्शी है तथा इसमें किसी भी प्रकार की धनराशि का लेन-देन पूर्णतः प्रतिबंधित है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि न तो कोई व्यक्ति लाभ दिलाने के नाम पर रुपये की मांग करे और न ही कोई लाभार्थी किसी को रुपये का भुगतान करे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस प्रकार की किसी भी शिकायत की पुष्टि होती है तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

सोनी सब चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे सीरियल 'हुई गुम यादें - एक डॉक्टर, दो जिंदगियां' में डॉक्टर देव का किरदार इकबाल खान निभा रहे हैं। सीरियल में वे काफी फिट दिखते हैं। यहां शेयर कर रहे हैं अपना फिटनेस फंडा अपनी ही जुबानी।

कितना भी बिजी क्यों न रहूं वर्कआउट जरूर करता हूं

फिटनेस फंडा

इकबाल खान

एक्टर इकबाल खान अपनी एक्टिंग के साथ फिटनेस पर भी पूरा ध्यान देते हैं। जिस तरह सीरियल 'हुई गुम यादें - एक डॉक्टर, दो जिंदगियां' में अपने रोल को परफेक्ट बनाने के लिए वे कोई कसर नहीं छोड़ते, उसी तरह अपनी फिटनेस को भी मेंटेन करने के लिए सभी एफर्ट करते हैं। यहां जानिए उनका फिटनेस फंडा।

डाइट प्लानः मेरा बेसिकली कोई तय डाइट प्लान नहीं होता है। मुझे जिस किस्म की आवश्यकता होती है, मैं वैसे डाइट प्लान कर लेता हूं। मैं अपने आप को किसी चीज या काम से महरूम नहीं करता। थोड़ा-थोड़ा सब कर लेता हूं। उसी तरह थोड़ा-थोड़ा खा लेता हूं सब कुछ। जैसी आवश्यकता होती है, वैसी ही डाइट लेता हूं।

वर्कआउट रुटीनः मैं स्कूल के दिनों से ही वर्कआउट करता आ रहा हूं। मैं सिर्फ इसलिए डेली वर्कआउट नहीं करता कि मैं एक एक्टर हूं, ये आदत तो बचपन से ही मेरे अंदर बसी हुई है। मैं बेसिकली वेट ट्रेनिंग करता हूं और हफ्ते में पांच से छह दिन जिम जाता हूं। हालांकि रमजान के दौरान मैं वर्कआउट नहीं करता। बाकी दिनों में ज्यादातर फोकस वेट्स पर ही रहता है। जहां तक कार्डियो एक्सरसाइज की बात है तो सच कहूं तो मुझे उसे करने में बिल्कुल मजा नहीं आता है। मुझे पता है कि कार्डियो बहुत अच्छी एक्सरसाइज होती है, लेकिन वो मुझसे हो नहीं पाता है।

जरूर निकालता हूं टाइमः एक्टिंग की वजह से या पर्सनल वर्क से चाहे मैं कितना भी बिजी रहूं, लेकिन वर्कआउट के लिए वक्त तो निकालना ही पड़ता है। मुझे सुबह उठना ज्यादा ठीक लगता है, इसलिए मैं सुबह-सुबह ही अपना वर्कआउट खत्म कर लेता हूं। इससे पूरा दिन भी अच्छा गुजरता है, मैं फ्रेश और एनर्जेटिक फील करता हूं। इसलिए काम पर निकलने से पहले ही मैं अपना वर्कआउट कंप्लीट कर लेता हूं।

रीडर्स को मैसेजः हरिभूमि के रीडर्स और अपने फैंस को मैं यही फिटनेस फंडा देना चाहूंगा कि जो लोग अपनी ट्वेंटीज में हैं, वो अच्छा खाना खाएं और थोड़ा-थोड़ा सब कुछ खाएं। कभी-कभी थोड़ा ज्यादा भी हो जाए तो चलेगा। जो लोग थर्टीज में हैं, उन्हें मीठा थोड़ा कम खाना चाहिए और तला हुआ भी कम करना चाहिए। बाकी अच्छा और बैलेंस्ड खाना खाते रहें। और जो 40 के ऊपर हैं, उन्हें कोशिश करनी चाहिए कि मीठा बहुत कम खाएं, और अगर खाना ही है तो नेचुरल सोर्स से लें। तला हुआ खाना बिल्कुल अवॉइड करें और हफ्ते में कम से कम तीन बार वर्कआउट जरूर करें। ये बहुत जरूरी है, इससे आपका हार्ट, मसल्स और जॉइंट्स सब अच्छे रहते हैं। ये भी जरूरी नहीं है कि बहुत भारी वेट्स ही उठाएं। नॉर्मल वेट्स में, जहां आपका मसल्स सही से काम करें, वही काफी है। सबसे जरूरी है कि आप नियमित रूप से वर्कआउट करें। और खाने के मामले में सबसे जरूरी बात यह है कि सीमित मात्रा में खाना चाहिए, ऐसा नहीं सोचना चाहिए कि जैसे पता नहीं कल खाना मिलेगा या नहीं, इसलिए आज ही अधिक से अधिक खा लो।

मेंटल हेल्थ ऐसे रहती है सहीः जब हम छोटे थे, तब मानसिक स्वास्थ्य जैसी बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता था। लेकिन अब इसके प्रति काफी जागरुकता बढ़ गई है। मेरे शो 'हुई गुम यादें' में मेरा किरदार डॉ. देव भी इसी पहलू को दर्शाता है, जहां उसकी जिंदगी के उतार-चढ़ाव उसके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं और वह इन भावनाओं से जूझते हुए खुद को संभालने की कोशिश करता है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक ही बात जो मेरे दिमाग में आती है कि वो ऊपर वाला है, जिसने पूरी कायनात बनाई है, जो चला रहा है उसके संपर्क में हमेशा रहिए। उसके संपर्क में रहने से जादुई असर होता है। जब हम ऊपर वाले को अपने साथ महसूस करते हैं तो कभी मन निराश, हताश नहीं होता। जिंदगी बहुत अच्छी गुजरती है। चूंकि हम सब वहीं से आए हैं और वहीं जाएंगे तो उसके टच में रहना सबसे अच्छा है। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. सुषमा शर्मा
प्रोग्राम क्लिनिकल डायरेक्टर-न्यूरोलॉजी
मैरेंगो एशिया अस्पताल, फरीदाबाद

पूरी दुनिया में लगभग एक करोड़ से अधिक लोग पार्किंसंस डिजीज से ग्रस्त है। यह ओल्ड एज में होने वाला एक सीरियस न्यूरोलॉजिकल रोग है। इसमें पेशेंट का मूवमेंट और बॉडी फंक्शनिंग प्रभावित होती है। लेकिन सही ट्रीटमेंट और सपोर्टिव डाइट हैबिट, लाइफस्टाइल से इसे मैनेज किया जा सकता है। इस बारे में जानिए।

बुजुर्गों को होने वाला सीरियस न्यूरोलॉजिकल डिजीज है पार्किंसंस

पार्किंसंस रोग एक न्यूरोलॉजिकल (नर्वस सिस्टम) डिजीज है। यह मस्तिष्क के उन हिस्सों को प्रभावित करता है, जो शारीरिक गतिविधियों को नियंत्रित करते हैं।

क्या है पार्किंसंस रोग

इस रोग का कारण मस्तिष्क के एक खास हिस्से (सबस्टेंटिया निग्रा) में डोपामिन उत्पादक न्यूरॉन्स या सेल्स का धीरे-धीरे कमजोर या नष्ट हो जाना है। जो मुख्य रूप से डोपामिन नामक केमिकल का उत्पादन और स्राव करते हैं। जिसकी वजह से शरीर में डोपामिन नामक न्यूरोट्रांसमीटर की कमी हो जाती है।

डोपामिन एक प्रकार का केमिकल है, जो दिमाग से पूरे शरीर और शरीर से दिमाग तक सिग्नल लेकर जाता है। शरीर के अन्य अंगों को कंट्रोल में रखता है और शरीर की गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने में मदद करता है। डोपामिन केमिकल का स्तर कम होने पर दिमाग के सिग्नल शरीर के विभिन्न हिस्सों तक नहीं पहुंच पाते और व्यक्ति पार्किंसन डिजीज की चपेट में आ जाता है।

पार्किंसंस, डिजनरेटिड प्रोग्रेसिव डिसऑर्डर के साथ कंट्रोल की जा सकने वाली बीमारी है। एक बार पार्किंसंस रोग होने पर समस्या लंबे समय तक परेशान कर सकती है या जिंदगी भर चलती है। शरीर के विभिन्न अंगों पर नियंत्रण कम होने लगता है। धीरे-धीरे उसकी गति, पॉश्चर और भाषा प्रभावित होने लगती है। जिससे मरीज को रोजमर्रा के काम करने में भी परेशानी होने लगती है। ध्यान न दिए जाने पर पार्किंसंस, गंभीर रूप ले सकता है। लेकिन अगर इसका समुचित उपचार, स्वस्थ जीवनशैली और सही देखभाल शुरुआती अवस्था पर शुरू हो जाए, तो मरीज सामान्य जिंदगी जी सकता है।

क्या कहते हैं आंकड़े

डब्ल्यूएचओ के अनुसार दुनिया भर में पिछले 25 वर्ष में पार्किंसंस के मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज द्वारा की गई स्टडी के हिसाब से 2019 तक तकरीबन 8.5 मिलियन से अधिक लोग पार्किंसंस रोग से प्रभावित थे। वर्तमान में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर तकरीबन 10 मिलियन (1 करोड़) से अधिक मरीज के होने तक पहुंच गया है। भारत में भी लगभग 5.76 लाख लोग पार्किंसंस बीमारी के साथ जी रहे हैं। 2050 तक पार्किंसंस के मरीजों की संख्या 25 मिलियन (2.5 करोड़) से अधिक होने की आशंका है।

बुजुर्ग होते हैं अधिक प्रभावित

पार्किंसंस डिजीज आमतौर पर 55-65 साल की उम्र के बीच शुरू होती है। लेकिन 10-15 प्रतिशत मामलों में यह 50 साल से पहले भी हो सकता है, जिसे यंग ऑनसेट पार्किंसंस डिजीज कहा जाता है। आंकड़ों के मुताबिक पुरुषों में यह बीमारी महिलाओं की तुलना में 1.5 गुना अधिक देखी जाती है। फैमिली हिस्ट्री के कारण 40 साल से कम उम्र के लोगों में भी पार्किंसंस डिजीज बढ़ने की आशंका रहती है। आनुवांशिक या जीन म्यूटेशंस के कारण कई बच्चों में भी देखी जाती है, जिसे जुबेनाइल पार्किंसंस डिजीज कहते हैं। सिर में चोट लगने, दिमाग में सूजन, ब्रेन हैमरेज, ब्लड क्लॉटिंग, ब्रेन ट्यूमर से नर्वस सिस्टम में हुई क्षति से भी एक्वायर पार्किंसन होने की संभावना रहती है। कई बार कुछ दवाइयों के साइड-इफेक्ट की वजह से भी मरीज में किसी भी उम्र में आ सकती है। विषाक्त पदार्थों, कीटनाशकों और रसायनों के संपर्क में आना पार्किंसंस के जोखिम को बढ़ाता है।

रोग के प्रमुख लक्षणः शुरुआती अवस्था में मरीज के हाथों में झनझनाहट होना, हाथ-पैरों में अनियंत्रित कंपकपी होना खासकर आराम करते हुए भी एक हाथ में कंपन होना, विभिन्न अंगों की मांसपेशियों में अकड़न आना और दर्द महसूस होना जिससे चलने-फिरने में दिक्कत आना, बैलेंस न बना पाने और गिरने का डर रहना, आवाज धीमी हो जाना, सुनने की शक्ति कम होना, कमर आगे की तरफ झुकना, स्लोनेस आना यानी काम करने और चाल में धीमापन आना, बच्चे जैसे छोटे कदम लेकर चलना। समुचित उपचार न मिलने पर मरीज की स्थिति गंभीर हो जाती है- मरीज के बोलने, लिखने की क्षमता में कमी आना, खाना खाने के लिए भी दूसरों पर निर्भर होना, मनोभ्रम रहना, तनाव, घबराहट रहने के कारण दिनचर्या के काम ठीक तरह न कर पाना। एंग्जाइटी या डिप्रेशन के भी शिकार हो सकते हैं।

कैसे होता है डायग्नोज

व्यक्ति में ऐसे लक्षण दिखें, तो यथाशीघ्र न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर को कंसल्ट करना चाहिए। पार्किंसंस की पुष्टि के लिए क्लीनिकल डायग्नोज किया जाता है। मरीज की केस हिस्ट्री, लक्षण, जांच से पता लगाया जाता है कि मरीज पार्किंसंस की किस अवस्था में है? बीमारी से उसकी दिनचर्या और गतिविधियां कितनी प्रभावित हैं? एमआरआई, सिटी स्कैन भी कराया जाता है।

उपचार के तरीके

मरीज की स्थिति के हिसाब से मेडिकल मैनेजमेंट यानी दवाइयों के जरिए बीमारी मैनेज की जाती है। कोशिश होती है कि मरीज स्वाबलंबी बने, अपने दैनिक कार्य करने योग्य हो और जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार हों। प्रारंभिक अवस्था में ब्रेन में डोपामाइन को बढ़ाने वाली और पार्किंसंस के लक्षणों को नियंत्रित करने वाली दवाइयां दी जाती हैं। मरीज की फिजियोथेरेपी भी कराई जाती है ताकि उसकी मांसपेशियों की ताकत, बैलेंस और कॉर्डिनेशन में सुधार हो। ऑक्यूपेशनल थेरेपी भी दी जाती है। 8-10 साल बाद दवाइयों का असर कम होने या पार्किंसंस की एडवांस स्टेज में न्यूरोसर्जिकल प्रक्रिया भी अपनाई जाती है। मरीज की स्थिति के आधार पर डीप ब्रेन स्टीमुलेशन नामक प्रक्रिया में मस्तिष्क में इलेक्ट्रोड लगाए जाते हैं, जो पार्किंसंस के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं। *

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

इन बातों का भी रखें ध्यान

समुचित उपचार के साथ पार्किंसंस के मरीज को स्थिति से उबरने के लिए परिवार और नजदीकी लोगों के पूरे सपोर्ट और देखभाल की जरूरत होती है। जरूरी है कि न्यूरोलॉजिस्ट द्वारा दी गई मेडिसिन को समय पर देनी चाहिए। मरीज के लक्षणों पर नजर रखनी चाहिए और समय-समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेते रहना चाहिए। सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। एक्सरसाइज पार्किंसंस में सबसे बेस्ट डिजीज मॉडीफाइंग ट्रीटमेंट मानी जाती है। नियमित व्यायाम, शारीरिक गतिविधियों, डांस, योग और स्ट्रेचिंग से लचीलापन और बैलेंस कायम करने में मदद मिलती है। मरीज को पोषक और संतुलित आहार देना चाहिए। यथासंभव वसायुक्त आहार कम, फाइबर से भरपूर आहार देना चाहिए। यह पाचन तंत्र को सही रखने और वजन नियंत्रित रखने में मददगार है। ताजे फल-सब्जियों को ज्यादा से ज्यादा आहार में शामिल करना चाहिए। स्वस्थ वसा (जैसे- ओमेगा-3 फैटी एसिड) और प्रोटीन से भरपूर आहार जैसे मछली, अंडे, दालें और नट्स भी फायदेमंद होते हैं। रोगी के हाइड्रेशन का ध्यान रखना चाहिए। पाचन संबंधी समस्याओं से बचने के लिए रोजाना 6-8 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। तनाव प्रबंधन के लिए मेडिटेशन, योग और अन्य तनाव प्रबंधन तकनीकों को अपनाना सहायक होता है।

डाइट सजेशन

राजकुमार 'दिनकर'

यह तो हम सभी जानते हैं कि ड्राई फ्रूट्स हेल्थ के लिए यूजफुल होते हैं। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि इनको भोजन के ऑप्शन के तौर पर सेवन किया जाए। ड्राई फ्रूट्स का सेवन कब अधिक फायदेमंद होता है, आपको जरूर जानना चाहिए।

तभी होगा फायदेमंद ड्राई फ्रूट्स का सेवन

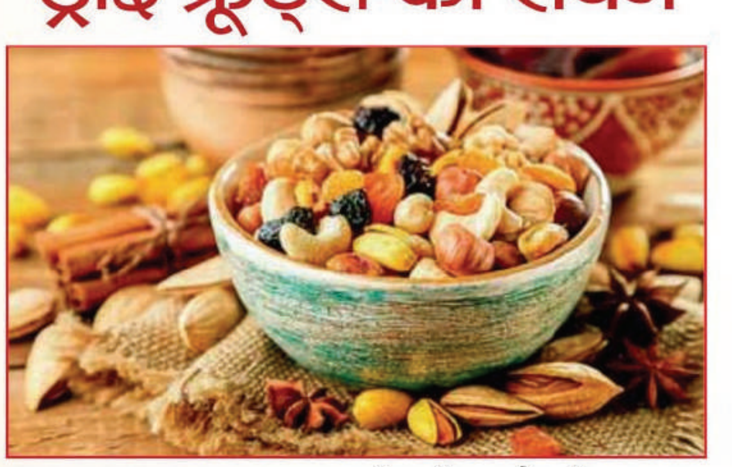

एक समय ऐसा था जब व्रत, त्योहार में ही लोग ड्राई फ्रूट्स खाया करते थे और इनके पोषण के स्तर को देखते हुए इन्हें ताकत से भरपूर माना जाता था। इसीलिए हमारे पारंपरिक भोजन में बादाम, अखरोट, खजूर, छुहारे, काजू, किशमिश, पिस्ता, अंजीर का भरपूर इस्तेमाल होता था। आजकल ड्राई फ्रूट्स का भोजन में काफी इस्तेमाल होने लगा है।

वेट लॉस में सहायक

आजकल ड्राई फ्रूट्स डाइट का इस्तेमाल शरीर को स्वस्थ रखने और वजन घटाने के लिए भी किया जाता है। फाइबर, प्रोटीन और हेल्दी फैट से भरे ड्राई फ्रूट्स भूख को नियंत्रित तो करते ही हैं, हमारे मेटाबॉलिज्म को भी बढ़ाते हैं। वजन घटाने में इनका काफी इस्तेमाल हो रहा है। इसलिए लोग बादाम, अखरोट और पिस्ते को फाइबर और प्रोटीन के लिए खाते हैं। इससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ये मेवे हमारे मेटाबॉलिज्म को तीव्र करते हैं। खजूर, किशमिश और अंजीर प्राकृतिक रूप से काफी मीठे होते हैं, उनको खाने के बाद मीठा खाने की इच्छा कम हो जाती है। ये विटामिन और मिनरल का स्रोत हैं जो हमारे शरीर की कमजोरी को दूर करके उसे मजबूत बनाते हैं।

भोजन का विकल्प नहीं

जो लोग इसे खाने के तौर पर खाते हैं, तो उनके लिए यह सुझाव है कि इसको पूर्ण संतुलित आहार नहीं माना जा सकता। हालांकि ड्राई फ्रूट्स हमारी हृदय की सेहत के लिए अच्छे होने के साथ-साथ सुपाच्य भी होते हैं। इसके बावजूद इनमें उतने पोषक तत्व नहीं होते, जो हमारे भोजन में होते हैं। हां, इनका इस्तेमाल हम कंप्लीट मील के विकल्प के तौर पर कभी-कभी कर सकते हैं। ड्राई फ्रूट्स का अगर ज्यादा मात्रा में सेवन किया जाए तो शरीर में ज्यादा फाइबर और शुगर के कारण अपच या पेट में गैस हो सकती है। क्योंकि इनमें मौजूद वसा, प्रोटीन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स इन्हें पोषण से भरपूर बनाते हैं, लेकिन इनका कम मात्रा में सेवन करना चाहिए, क्योंकि इनमें कैलोरीज ज्यादा होती है। किसी भी कंडीशन में ड्राई फ्रूट्स को दिन में खाए जाने वाले भोजन का विकल्प नहीं माना जा सकता। दरअसल, भोजन हमारे शरीर में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा की आपूर्ति करते हैं और हमारे मेटाबॉलिज्म को स्थिर रखते हैं। ड्राई फ्रूट्स खाने भर से हमारे शरीर में इन तत्वों की आपूर्ति नहीं हो सकती। विभिन्न अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि बादाम में मौजूद अनसैचुरेटेड फैटी एसिड और विटामिंस हमारे मस्तिष्क की कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस घटाकर हमारी स्मरणशक्ति को बढ़ाते हैं। सीमित मात्रा में अगर ड्राई फ्रूट्स का सेवन किया जाए तो ये हमारे लिए फायदेमंद हैं। लेकिन चीनी से भरे ड्राई फ्रूट्स जैसे किशमिश और खजूर की मात्रा सीमित रखनी चाहिए। वैसे भी ये दोनों ड्राई फ्रूट्स नेवुरल शुगर का भंडार होते हैं। इनको खाने के बाद हमारे दांतों से ये चिपक जाते हैं और उनमें बैक्टीरिया की वृद्धि होती है। इसलिए इनको लेने के बाद पानी, पीना चाहिए और दांतों को अच्छी तरह साफ रखना चाहिए।

कितनी मात्रा है सही

हमें प्रतिदिन लगभग 20 से 30 ग्राम मिक्स ड्राई फ्रूट्स का सेवन करना चाहिए। बच्चों को इससे कम मात्रा देनी चाहिए। वयस्कों के लिए पानी में भीगे 5 से 7 बादाम और 2

अखरोट के टुकड़े सुबह के समय लेने चाहिए, जो हमारे दिल और दिमाग की सेहत के लिए अच्छे होते हैं। महिलाओं को आयरन और कैल्शियम में लिए खजूर और अंजीर खाने चाहिए। स्टेमिना के लिए पुरुष पिस्ता और अखरोट ले सकते हैं। बादाम, अखरोट और अंजीर को अगर रात में पानी में भिगो दिया जाए तो ये सुपाच्य होते हैं और इनमें मौजूद पौष्टिकता भी बढ़ जाती है। ड्राई फ्रूट्स को सुबह खाली पेट या दोपहर के भोजन के बाद लेना चाहिए।

कैसे और किस समय खाएं ड्राई फ्रूट्स

- ड्राई फ्रूट्स की मात्रा पर ध्यान देना सबसे जरूरी है। वयस्कों के लिए इनकी मात्रा 20 से 30 ग्राम से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।
- बादाम, अखरोट और अंजीर को सुपाच्य बनाने के लिए पूरी रात पानी में भिगोकर रखना चाहिए।
- इसे सुबह के समय या दोपहर के भोजन के बाद लेना चाहिए। ध्यान रखें ड्राई फ्रूट्स मुख्य भोजन की जगह पर ऑप्शन के तौर पर नहीं लेने चाहिए।
- सूखे मेवों को योगर्ट, फ्रूट, सलाद, दालों के साथ लेना चाहिए ताकि शरीर में फाइबर और माइक्रो न्यूट्रिएंट्स का संतुलन बना रहे।
- तले, नमकीन या मीठे ड्राई फ्रूट्स लेने से बचें, क्योंकि इनमें शुगर और सोडियम का स्तर ज्यादा होता है।

अगर अधिक मात्रा में करें सेवन

- ड्राई फ्रूट्स में कैलोरी ज्यादा होती हैं। इससे वजन बढ़ता है और यदि इसकी मात्रा पर ध्यान न दिया जाए तो ब्लड शुगर भी बढ़ता है।
- इनके साथ प्रोटीन, कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट और पानी की जरूरत होती है, ताकि यह शरीर की मसल्स को रिपेयर कर सकें।
- इनकी ज्यादा मात्रा भोजन को असंतुलित बनाती है। इसलिए ड्राई फ्रूट्स के साथ मोटे अनाज, दालें और सब्जियां ही लेनी चाहिए, लेकिन सीमित मात्रा में।
- कई ड्राई फ्रूट्स में ओमेगा-3 और ओमेगा-6 कम मात्रा में होता है। अगर इनकी ज्यादा मात्रा ली जाती है तो अपच और पेट में गैस जैसी समस्या हो सकती है।
- डायबिटीज, मेटाबॉलिक सिंड्रोम, किडनी संबंधी गंभीर बीमारियां और पाचन संबंधी रोगों से ग्रस्त व्यक्ति या जिन्हें ड्राई फ्रूट्स से एलर्जी हो, ऐसे लोगों को ड्राई फ्रूट्स नहीं खाने चाहिए। *

पंचायत चुनावों के बंद लिफाफे

पंचायत चुनाव से हिमाचल कितना बाहर आएगा, ये कयास सियासत को गर्म होने का मौका अवश्य देंगे। लोकतंत्र के महायज्ञ में स्थानीय निकायों का योगदान, दरअसल समाज और राजनीति शास्त्र के बीच की सन्निकटता या दूरियों को प्रदर्शित करता है। लोक कल्याणकारी नीतियों का रथ अक्सर गांव के दलदल में अपना प्रयास देखता है, तो राष्ट्र के अमृत महोत्सव की बानगी में भाजपा का प्रचार तंत्र सक्रिय दिखाई देता है। रोस्टर की बनावट, रोस्टर की सजावट और अब रोस्टर के बदौलत चुनाव कितने कोस चलते हैं, यह देखना होगा। सच तो यह है कि राजनीति में महिला जागरूकता के आलेख, इस दौरान प्रमाणित व स्वीकृत होंगे। राष्ट्रीय स्तर पर महिला आरक्षण का रोस्टर मजबूत होने की बाट जोह रहा है, तो हिमाचल की नारी का संग्राम मौजूदा पंचायत चुनावों की परिधि में कुछ गुणात्मक परिवर्तन जरूर लाएगा। पार्टियों के आचरण में तसदीक हो रहा है कि महिला आधार आगे चलकर राष्ट्रीय फलक पर अपना करिश्मा दिखा पाएगा। हम राजनीति की गागर भरने के लिए पंचायत चुनावों के सागर में डुबकी लगा रहे हैं, लेकिन क्या लोकतंत्र के संदर्भों में देश और समाज की आशाएं पूरी होंगी। दिव्य हिमाचल ने अपने सर्वेक्षण के सवाल पर यह पाया कि प्रदेश के 76 प्रतिशत लोग, अपनी अपेक्षाओं और लोकतंत्र की मयार्दा के अनुरूप जनप्रतिनिधि नहीं चुन पा रहे हैं। जाति, धर्म, वर्ग और धन बल के आधार पर अगर चुनावों की परिपाटी बन रही है, तो पंचायत से लेकर लोकसभा के सफर तक न जाने कितने कांटे बोए जा चुके हैं। स्थानीय निकाय चुनावों में रिहर्सल से पहले एक दौर विवादों का रहा है, तो तैयारियों के बीच आपसी रंजिश और नफरत के उबाल क्या पवित्रता से समाज को किसी सूत्र में बांध पाएंगे। निकलेंगी एक-दो पंचायतें जहां सवार्नुमति से कुछ पद सुशोभित होंगे, वरना हाथ मलते ये चुनाव भी निकल जाएंगे। पिछली बार पंचायत चुनावों में युवा शक्ति ने राजनीति का दामन पकड़ते हुए, कुछ लहरें पैदा कीं, लेकिन घाघ चेहरों के समीकरण, हमेशा समाज को संकीर्णता और स्वार्थ से भर देते हैं। हिमाचल में पूरे पंचायती राज की परिभाषा में नीतियों और कार्यक्रमों के प्रति जागरूकता तो दर्ज होती है, लेकिन पूरे ढांचे की सक्रियता में अभी भी दोष बाकी हैं, इसी के साथ नगर निकायों के बंद लिफाफे भी खुलते हैं, तो क्या हमारे परिवेश का आवरण बदल जाएगा। इस दौरान नए-नए बने नगर निकाय और बड़े होते नगर निगमों के द्वारपाल बने गांवों की क्या स्थिति होगी। क्या नगरों में शामिल पंचायतों की हदबंदी सिमट जाएगी या नई पंचायतों के सूत्रधार पैदा हो जाएंगे। राज्य के परिप्रेक्ष्य में कितनी पंचायतें नगर निकायों की बंदगी में अपना आचरण बदल पाती हैं या पंचायती राज की अभिलाषा में नई हदबंदी हो पाती है, यह देखना होगा। क्या हिमाचल स्थानीय निकाय चुनावों के मुख्य एजेंडा में केवल सियासी एजेंट बन कर ही सोचता रहे या चुनावी कदमताल में सियासी अर्जियां ही काबिज रहेंगी। ग्रामीण दृष्टि का हिमाचल आखिर है कहां। क्या परिवेश में हम गांव को स्थिर-स्थायी बनाने में सफल होने के लिए इन चुनावों में शिरकत करेंगे या राजनीतिक प्रभुत्व की आंच में सत्ता और विपक्ष अपना-अपना खेल खेलेंगे। गांव से शहर तक के सुशासन में कौनसी नई इबारत ये चुनाव लिखेंगे, क्योंकि समाज की पैरवी में अगर जनप्रतिनिधि नहीं खोज पाए, तो इस मुकाबले में सिर्फ ढीठ राजनीतिक प्रवृत्ति ही आमने-सामने होगी।

नहीं छीन सकते मताधिकार

यह भारत के प्रत्येक नागरिक के मौलिक अधिकार-मताधिकार-का सवाल है। इसे न तो कोई छीन सकता है और न ही स्थगित कर सकता है। स्थगित के मायने हैं कि कोई बात नहीं, आप पांच साल के बाद वाले चुनाव में मतदान कर लेना। नहीं, यह बिल्कुल गलत, असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक है। लेकिन पश्चिम बंगाल में ऐसा हुआ है और हडकंप मचा है। लोगों में भय और आशंका है कि अंततः उनकी नागरिकता रद्द कर दी जाएगी ! चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कई राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में किए हैं। बेशक बिहार में तूफान मचा और इसे राजनीतिक, चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिशें की गईं, लेकिन नाकाम रहीं। चुनाव सम्पन्न हो गया और भाजपा-एनडीए की सरकार बरकरार रही। बंगाल में तार्किक विसंगति श्रेणी की प्रक्रिया के बाद भी 27.16 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काट दिए गए। कुल 90.83 लाख से अधिक नाम काटे गए हैं। क्या वे सभी घुसपैठिए या फर्जी मतदाता थे ? आयोग ने आज तक यह स्पष्ट क्यों नहीं किया ? जिनकी मृत्यु हो गई, उनका आंकड़ा छोड़ दीजिए, उनके अलावा यह कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है। इतने लोगों के मताधिकार छीने गए हैं। चुनाव आयोग के पास मताधिकार छीनने की कोई संवैधानिक शक्ति नहीं है। यदि लाखों नाम काटे गए हैं, तो उनका ब्यौरा भी देना पड़ेगा, क्योंकि यह मौलिक अधिकार का सवाल है। यह आंकड़ा 4 लोकसभा सीट के मतदाताओं की कुल संख्या से भी अधिक है, नतीजतन इस बार के विधानसभा चुनाव में कुल 6,75,54,184 मतदाता ही वोट डाल सकेंगे। बंगाल में एसआईआर से पहले मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ से अधिक थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी 7.61 करोड़ से ज्यादा पात्र मतदाता थे।